

ईरान की संसद ने होर्मुज स्ट्रेट बंद करने का फैसला लिया

विश्व को कच्चे तेल की सप्लाई में आएगी बड़ी रुकावट



तेहरान, 23 जून (एजेंसियां)।

ईरान की संसद ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस पर अंतिम फैसला अब ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद द्वारा लिया जाएगा। ईरान की संसद ने अमेरिका द्वारा ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमला किए जाने के बाद होर्मुज स्ट्रेट बंद करने का फैसला लिया। ईरानी संसद के इस फैसले से पश्चिम एशिया में तनाव काफी बढ़ गया है और दुनियाभर में तेल आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ गई है। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अरागची ने कहा है कि ईरान के पास और भी कई विकल्प हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करना इनमें सबसे प्रभावशाली और खतरनाक विकल्प माना जा रहा है।

रूस ने ईरान का समर्थन देने का किया खुला ऐलान भारत में तेल-गैस के दाम बढ़ने का अंदेशा गहराया

होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और यह दुनिया का सबसे अहम तेल व्यापार मार्ग है। इस संकीर्ण समुद्री रास्ते से सऊदी अरब, ईरान, यूएई जैसे देशों का तेल और गैस दुनियाभर में जाता है। इसकी चौड़ाई सबसे संकरे हिस्से में सिर्फ 33 किलोमीटर है, जिससे इसे रोकना या बाधित करना आसान हो जाता है। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन (ईआईए) के अनुसार वर्ष 2024 में दुनिया के समुद्री तेल व्यापार का 25 प्रतिशत और लिक्विड नैचुरल गैस (एलएनजी) का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरा। अगर ईरान इस जलमार्ग को बंद करता है तो इससे वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित होगी और कीमतों में भारी उछाल आ सकता है।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है और इसका एक बड़ा हिस्सा मध्य पूर्व से आता है। ईआईए की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2024 में होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले तेल का 69 प्रतिशत हिस्सा चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया को गया। अगर यह रास्ता बाधित होता है तो भारत को तेल मिलना मुश्किल नहीं होगा, लेकिन दाम जरूर बढ़ सकते हैं। भारत रूस, अमेरिका और अफ्रीका जैसे विकल्पों से भी तेल खरीदता है, लेकिन कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर पेट्रोल-डीजल से लेकर अन्य उत्पादों पर भी पड़ेगा। इस स्थिति से निपटने के लिए भारत सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कहा है कि भारत फारस की खाड़ी के बाहर से तेल मंगाने की योजना बना रहा है और रफाइनड प्रोडक्ट्स (जैसे पेट्रोल-डीजल) के निर्यात में कटौती करेगा। अमेरिका द्वारा ईरान पर सैन्य हमले के जवाब में ईरान की संसद ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने के पक्ष में मतदान किया। इस कदम ने वैश्विक बाजारों में बेचनी बढ़ा दी है और कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल **10** रु.

मदुरई में हिंदू सम्मेलन के मंच से बोले आंध्र के डिप्टी सीएम

हिंदुओं के धैर्य को कमजोरी न समझें : पवन कल्याण



मदुरई, 23 जून (एजेंसियां)।

मदुरई में हिंदू सम्मेलन के दौरान आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर हिंदू धर्म और देवी-देवताओं का अनादर गलत है और इसे रोका जाना चाहिए। पवन कल्याण ने फर्जी सेकुलरों पर तीखा हमला किया। हिंदू मुन्नानी द्वारा आयोजित मुरुगा भक्तरगल मानदु कार्यक्रम में बोलते हुए पवन कल्याण ने कहा कि फर्जी सेकुलर तत्व अभिव्यक्ति की आजादी की आड़ में हिंदू देवताओं और आस्थाओं को जानबूझकर निशाना बना रहे हैं। पवन कल्याण ने खुद को प्रतिबद्ध हिंदू बताया और कहा कि उन्हें अपने धर्म के लिए वही सम्मान चाहिए जो दूसरों को मिलता है। पवन

मेरे धर्म का अपमान न करें, यह सेकुलरिज्म नहीं

कल्याण ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता का मतलब सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार होना चाहिए, लेकिन आज इसे केवल हिंदू धर्म को छोड़कर बाकी सभी की रक्षा के रूप में पेश किया जा रहा है।

भाजपा नेता के अनामलाई और एआईएडीएमके के प्रतिनिधियों समेत कई बड़े नेता और बड़ी संख्या में लोग इस कार्यक्रम में मौजूद थे। पवन कल्याण ने कहा, हिंदू धर्म की जड़ों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश हो रही है। इसके लिए धर्मनिरपेक्षता और अभिव्यक्ति की आजादी जैसे शब्द को सुविधाजनक हथियार बना लिया गया है। इसी हथियार से हिंदुओं और हिंदू देवताओं को बार-बार निशाना बनाया जा रहा है। **10** रु.

मुस्लिम तुष्टिकरण में शर्मो हया के पार ममता सरकार

पश्चिम बंगाल में रथ यात्रा पर नहीं लगेगा मेला

कोलकाता, 23 जून (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने मालदा जिले में होने वाले 629 साल पुराने रथ मेले पर रोक लगा दी है। मालदा जिले के जलालपुर कस्बे में हर साल यह मेला आयोजित होता रहा है। इस बार मेले पर रोक लगाने के ममता सरकार के फैसले से हिंदू आस्था को बड़ा झटका लगा है। मेले का आयोजन श्री महाप्रभु मंदिर के पास होता है, जो करीब एक हफ्ते तक चलता है। रथ यात्रा इसका हिस्सा होती है। प्रशासन ने बहुत मुश्किल से सिर्फ रथ यात्रा की अनुमति दी है, लेकिन मेले पर रोक का फरमान जारी कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मेले से इलाके में कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो सकती है। जबकि यह मेला करीब साढ़े छह सौ साल से लगता आया है। पुलिस का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में रथ यात्रा के दौरान असामाजिक तत्वों ने हत्या जैसी कई संगीन चारदातों को अंजाम दिया। इसलिए टीएमसी सरकार के निर्देश पर स्थानीय प्रशासन ने मेला रोकने का फैसला लिया है। हिंदू समुदाय इस फैसले से नाराज है। यह सैकड़ों साल पुरानी परंपरा है, जो पहली बार ममता सरकार रोकने जा रही है। 629 साल पुराने रथ मेले को रोकने के फैसले से आयोजक भी हैरान हैं। उनका कहना है कि यह मेला सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि इलाके की अर्थव्यवस्था के लिए भी बहुत जरूरी है। इसमें हर जाति और धर्म के लोग शामिल होते हैं।

परिस्थितियों से मजबूर होकर आयोजकों ने अब अदालत का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। रथ यात्रा समिति के सचिव गौतम मंडल ने कहा, यह मेला बाबर और मुगलों के आने से भी पहले से हो रहा है। इसे सिर्फ वोट बैंक की राजनीति के कारण रोका जा रहा है। टीएमसी के राज्य महासचिव कृष्णेंद्र नारायण चौधरी ने पुलिस के फैसले को सही बताया और इसे कानून-व्यवस्था का मामला कहा। वहीं, स्थानीय भाजपा नेता अजय गांगुली ने कहा कि यह फैसला टीएमसी सरकार की असली नीयत दिखाता। उल्लेखनीय है कि अभी पिछले ही दिनों टीएमसी सरकार ने दीया स्थित जगन्नाथ **10** रु.

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपने लेख में कहा

मोदी की ऊर्जा और इच्छाशक्ति देश की ताकत है

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी विदेश नीति की तारीफ की। शशि थरूर का यह बयान उनकी पार्टी लाइन से एकदम अलग है और राहुल गांधी को मिर्ची लगाने वाला है। शशि थरूर का मानना है कि राष्ट्रीय हितों और विदेश नीति पर एकता जरूरी है। भारत की तकनीक, व्यापार और परंपरा की त्रिमूर्ति से एक न्यायसंगत, सुरक्षित और समृद्ध वैश्विक भूमिका निभाई जा सकती है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक स्तर पर भूमिका की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी ऊर्जा, सक्रियता और संवाद करने की इच्छाशक्ति भारत के लिए एक प्रमुख सम्पत्ति है। शशि थरूर की यह टिप्पणी कांग्रेस पार्टी की राहुल-वादी लाइन से मेल नहीं खाती, जो लगातार मोदी सरकार की विदेश नीति की आलोचना करती है। कांग्रेस नेता शशि थरूर का एक लेख प्रकाशित हुआ है, जिसमें उन्होंने हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की कूटनीतिक पहल को राष्ट्रीय संकल्प और प्रभावी संरक्षण का उदाहरण बताया।

शशि थरूर ने अपने लेख में लिखा, प्रधानमंत्री मोदी की ऊर्जा, सक्रियता और वैश्विक स्तर पर संवाद की तत्परता भारत की एक बड़ी ताकत है, जिसे और अधिक समर्थन मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंक हमले और उसके जवाब में शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की कूटनीतिक सक्रियता ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति को मजबूत किया।

कांग्रेस नेता ने बताया कि उन्होंने एक सात सदस्यीय बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जिसने अमेरिका समेत गयाना, पनामा, कोलंबिया और ब्राजील जैसे देशों की यात्रा की। इन दौरों का उद्देश्य था दुनिया को यह समझाना कि भारत का हमला आतंकवाद के खिलाफ एक आत्मरक्षा का कदम था, न कि किसी राष्ट्र के खिलाफ युद्ध। उन्होंने कहा, हमारी एकजुटता ने दुनिया के सामने एक मजबूत संदेश दिया कि भारत आतंकवाद के मुद्दे पर एक स्वर में बोलता है, चाहे अंदरूनी राजनीति में कितने भी मतभेद हों। **10** रु.



राष्ट्रीय हितों और विदेश नीति पर एकता जरूरी है

पांच विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव का परिणाम

आम आदमी पार्टी ने जीत ली दो सीटें

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)।

गुजरात, केरल, पंजाब और बंगाल में हुए उपचुनाव के नतीजे आ गए हैं। गुजरात में आम आदमी पार्टी (आपा) और भाजपा ने एक-एक सीट पर जीत दर्ज की। वहीं, केरल में कांग्रेस ने जीत हासिल की, जबकि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बड़ी बढ़त लेते हुए सीट पर कब्जा किया। पंजाब में भी आम आदमी पार्टी की जीत हुई है। गुजरात, पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल की पांच सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे सोमवार को जारी किए गए। गुजरात की दो सीटों में से एक पर आम आदमी पार्टी और एक पर भारतीय जनता पार्टी को जीत मिली है। वहीं पंजाब में आम आदमी पार्टी, बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और केरल में कांग्रेस पार्टी ने बाजी मारी है। ये उपचुनाव 19 जून को कराए गए थे।

केरल में पिनराई विजयन के नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार को बड़ा झटका देते हुए कांग्रेस के यूडीएफ उम्मीदवार आर्यदान शौकत ने नीलांबुर विधानसभा उपचुनाव में एलडीएफ के सीपीआई (एम) के एम स्वराज को 11,077 मतों के बड़े अंतर से हराया। 19 राउंड की मतगणना के बाद शौकत को 77,737 वोट मिले थे, जो सीपीएम के एम स्वराज से 11,077 वोटों की बढ़त थी। यह सीट मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की अगुवाई वाली वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलटीएम) के लिए प्रतिष्ठा से जुड़ी मानी जा रही थी। यह सीट पीवी अनवर के इस्तीफे से खाली हुई थी। भाजपा की तरफ से एडवोकेट मोहन जॉर्ज मैदान में थे। पंजाब में लुधियाना पश्चिम सीट के लिए हुए उपचुनाव में आम आदमी पार्टी जीत गई। आपा के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने पहले राउंड से बढ़त बनाए रखी जो आखिरी राउंड तक कायम रही। कांग्रेस के भारत भूषण आशु दूसरे नंबर पर रहे। **10** रु.



भाजपा, कांग्रेस और टीएमसी को एक-एक

राहुल गांधी का बयान विवादास्पद तो सोनिया गांधी का लेख

एक तो बेटा... ऊपर से मां..!

हिंदी में पुरानी कहावत है... एक तो करेला, ऊपर से नीम चढ़ा। यही कहावत राहुल गांधी और उनकी माता जी सोनिया गांधी पर लागू होती है। राहुल गांधी अपनी नाबालिग बेवकूफाना बोलियों के कारण हमेशा विवाद में रहते हैं और कांग्रेस पार्टी को हमेशा झेंपने के लिए विवश करते रहते हैं। अब उनकी माता सोनिया गांधी का एक लेख विवाद सृजित कर रहा है। हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुस कर जो अमानवीय और घृणित हरकतें कीं, उसका खामियाजा

आज पूरा पश्चिम एशिया भुगत रहा है। हमास के धिनोने कृत्य पर सोनिया, राहुल, प्रियंका सब चुप्पी शांतियाना चुप्पी साधे रहे। ऊपर से फिलस्तीन प्रेम का दिखावा करने वाला झोला टांगे प्रियंका इजराइल के घाव पर नमक छिड़कने का सार्वजनिक कृत्य करती रहीं। अब सोनिया ने एक अंग्रेजी अखबार में लेख लिख कर ईरान के लिए अपना पूरा ममत्व उड़ेल दिया है। उनका यह ममत्व इजराइली बच्चों और महिलाओं के लिए नहीं था जो हमास आतंकियों के हाथों मारे



गए, अगवा हुए या बलत्कृत हुए। सोनिया गांधी की इस छद्म-मानवीयता पर इजराइल ने बड़ा कटाक्ष किया है। इजराइल का कहना है कि सोनिया गांधी को यह पता ही नहीं है कि देश-दुनिया में क्या हो रहा है। हमास ने इजराइल पर क्या

किया और इजराइल के निर्दोष लोगों ने किस तरह की यंत्रणाएं झेलीं। इजराइल के राजदूत रुवेन अजार ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के ईरान के पक्ष में लिखे लेख पर सख्त एतराज जताया है। उन्होंने कहा है कि इजराइल ने हमेशा भारत का साथ दिया है और भारत के विपक्षी नेताओं में इतनी भी परिपक्वता नहीं कि वह कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की संवेदनशीलता को समझ सके। भारत में इजराइल के राजदूत रुवेन अजार ने कहा है कि

सोनिया गांधी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन उन जैसे नेताओं को क्षेत्रीय (मध्यपूर्व) हालात की जानकारी होनी चाहिए। इस इलाके में तीन दशकों से चल रही ईरानी आक्रामकता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, हमें यह देखकर निराशा हुई कि सोनिया गांधी ने 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमले के हमलों की निंदा नहीं की, लेकिन ईरान पर हमले के बाद बिल्कुल बौखला गई। **10** रु.



शेयर मार्केट

बीएसई : 81,896.79
-511.38 (-0.62%) ↓
एनएसई : 24,971.90
-140.50 (-0.56%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°
न्यूनतम : 22°



योग दिवस पर योगा एवं लाफ्टर हैप्पी फैक्टर कार्यशाला

योग एक आध्यात्मिक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से शरीर और आत्मा का होता है समन्वय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ की महिला विंग द्वारा अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना के नेतृत्व में योगा एवं लाफ्टर हैप्पी फैक्टर कार्यशाला का सफल आयोजन जे सी रोड स्थित जेएटीएफ बलडोटो गर्ल्स हॉस्टल में किया गया। इस कार्यशाला की मुख्य प्रशिक्षिका सर्टिफाइड योगा थैरेपिस्ट एवं सर्टिफाइड मर्म योगा (फ्रांस) जिगना कपासी रहीं। उन्होंने योग के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि योग एक आध्यात्मिक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से शरीर और आत्मा का समन्वय होता है। योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना हर व्यक्ति के लिए लाभदायक है क्योंकि यह समग्र फिटनेस को सुधारता है, तनाव कम करता है और



मानसिक शांति प्रदान करता है। उन्होंने नवकार मंत्र एवं प्रार्थना के साथ योग के विभिन्न आसनों और ध्यान का अभ्यास भी करवाया। जीतो महिला विंग बेंगलूरु फाउंडर चैयरपर्सन एवं मेंटर निशा सामर ने

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग भारत की प्राचीन देन है, जो आज अपने शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों के कारण वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त कर

चुका है। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ। अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने अतिथियों एवं सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि स्वास्थ्य ईश्वर का अनमोल उपहार है और एक

स्वस्थ व्यक्ति न केवल आत्मविश्वासी होता है, बल्कि मिलनसार और ऊर्जावान भी होता है। कार्यक्रम की संयोजिका संगीता नागोरी ने प्रशिक्षिका जिगना कपासी का परिचय कराया, वहीं सह-संयोजिका ममता बांठिया ने संपूर्ण व्यवस्थ-1ओं का सुचारु संचालन किया। बालिका छात्रावास संयोजिका चित्रा मेहता, उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी, सह मंत्री मीना बंडेरा एवं सुमन रांका, कार्यकारिणी सदस्यों में नीता गादिया, अल्का लोढ़ा, लेखा गांधी, संगीता मुथा, नेहा भंडारी, बिंदु नाहर, नंदा बाफना, दीपू जैन, रिंकू बाफना और नीतू मेहता सहित लगभग 100 सदस्य इस कार्यशाला में उपस्थित रहें। महामंत्री रेखा छाजेड़ ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया एवं सभी का आभार व्यक्त किया।



कल्पवृक्ष एवं महान साहित्यकार और प्रखर वक्ता थे। उन्होंने प्रेक्षा ध्यान, जीवन विज्ञान, अणुव्रत, अहिंसा प्रशिक्षण आदि आयाम प्रस्तुत किये जो वर्तमान युग की बहुत बड़ी आवश्यकता है। ऐसे संत शताब्दियों में कभी-कभी पैदा होते हैं। उक्त विचार व्यक्त करते हुए साध्वी ने चातुर्मास को तप-जप स्वाध्याय से ऐतिहासिक बनाने की प्रेरणा दी। साध्वीवृंद के द्वारा आचार्य के महान व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर एक रेखाचित्र के माध्यम से सुन्दर और रोचक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। आज के आकर्षण का केंद्र था-गुरुवर का संदेश लाएँ हैं, गण सैनिक बन आए हैं। साध्वीवृंद ने एक भाव पूर्ण गीतिका से सबको भाव

विभोर कर दिया। इससे पूर्व सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सतिवरो का भावपूर्ण स्वागत किया। ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, तेयुप अध्यक्ष बिकास छाजेड़ ने स्वागत के भावों का संप्रेषण किया। महिला मंडल अध्यक्ष सुमन पटावरी एवं नवमनोनीत अध्यक्ष मंजु बोथरा ने स्वागत वक्तव्य दिया। प्रेस्टीज की बहनों ने महाप्रज्ञ अष्टकम एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। हनुमन्तनगर के अध्यक्ष गौतम दक अपने क्षेत्र के श्रावकों के साथ एवं राजराजेश्वरी नगर के सभी गणमान्य श्रावकों की उपस्थिति रही। पूरे कार्यक्रम के सुरुचिपूर्ण आयोजन हेतु प्रेस्टीज परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया गया।



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। समाज सेवी गायों के पालक, गायों के रक्षक, अनाथ बच्चों, नेत्रहीन, वृद्धाश्रम, हर पल हर समय समाज के लिए सेवा कार्य करने वाले मारुति मेडिकल के मालिक महेंद्र मुणोत के जन्मदिवस पर महा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत आयोजित रक्तदान शिविर में 200 से अधिक गौ भक्तों ने रक्तदान किया। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु रेल मंडल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य अश्विनी सेमलानी, जय क्रांति युवा सेना के अध्यक्ष विनोद चौहान, मंत्री मदन मालवीय, हेमराम, कर्नाटक इनर वियर एसोसिएशन के कमेटी सदस्य मूलसिंह राजप-रोहित समेत अन्य ने मुणोत को सम्मानित किया।

प्रकाशचंद बंब अध्यक्ष और अभय कुमार बांठिया महामंत्री बने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी शांत क्रांति संघ बेंगलूरु की आम सभा में प्रकाशचंद बंब को अध्यक्ष एवं अभय कुमार बांठिया को महामंत्री मनोनीत किया गया। शांतिनगर के लूणावत भवन में संघ अध्यक्ष महेंद्र चोपड़ा की अध्यक्षता में आयोजित आमसभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष राजू भुरट ने बेंगलूरु शाखा को विस्तार देते हुए कर्नाटक शाखा घोषित किया और नए पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि धर्म में हमें आनंद का अनुभव करना चाहिए। सामायिक और नवकार मंत्र



आत्मा में ऊर्जा का संचार करते हैं। धन कमाने के साथ दान को भी जीवन का अभिन्न अंग बना लेना चाहिए। दान के साथ नाम की अभिलाषा नहीं रखनी चाहिए। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओमप्रकाश लूणावत ने सभा को बताया कि इस वर्ष शांत क्रांति संघ के नवीन



प्रज्ञ मुनि का हृस्वल्ली में चातुर्मास है। उन्होंने निवर्तमान पदाधिकारियों के कार्यों की प्रशंसा की। महेंद्र चोपड़ा ने आगंतुकों का स्वागत करते हुए विशेष अतिथियों का परिचय दिया। सुरेश आंचलिया ने गत सत्र की रिपोर्ट पेश करते हुए आय व्यय का

हिसाब भी प्रस्तुत किया। सभा को ताराचंद गुगलिया ने संबोधित करते हुए बताया कि साध्वी नानु कंचर शांत क्रांति संघ की एक प्रमुख निर्मात्री थी।

महिला मंडल की अध्यक्षा राजू बाई बोहरा ने भी सभा को संबोधित किया। महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण के पश्चात विशेष अतिथियों तथा नए पदाधिकारियों का साफा, शॉल और माला से सम्मान किया गया। नई कार्यकारिणी में धर्मीचंद कांठेड़ को कार्याध्यक्ष, हितेश कुमार बोहरा को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। छगनमल लूणावत, ताराचंद गुगलिया, किशनलाल

कोठारी, शांतिलाल खींवेसरा और महेंद्र चोपड़ा को परामर्श दाता, तथा बाबूलाल दक, नेमीचंद चोरडिया, महावीर मुथा, जयंतीलाल धानेचा, मानमल मकाना तथा लक्ष्मीचंद गुगलिया को उपाध्यक्ष के अलावा रितेश पामेचा और जयंतीलाल गोलेछा को मंत्री, गौतमचंद छाजेड़ को प्रचार मंत्री एवं गौतमचंद ओस्तवाल को संघ प्रवक्ता मनोनीत किया गया। 18 सदस्यीय कार्यकारिणी सदस्यों के नामों की भी घोषणा की गई। गौतमचंद ओस्तवाल ने सभा का संचालन किया और नए अध्यक्ष प्रकाशचंद बंब ने धन्यवाद दिया।

चातुर्मास में युवक संघ की भूमिका पर चर्चा



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जैन युवक संघ अलसूर की आम सभा में साध्वी श्री शशिप्रभा जी के अलसूर में आगामी चातुर्मास में युवक संघ की भूमिका पर चर्चा की गई। संघ अध्यक्ष लोकेश तातेड़ की अध्यक्षता में जैन भवन में आयोजित सभा में मंत्री संजय सुराणा ने युवक संघ की गतिविधियों की जानकारी दी और सभी सदस्यों से चातुर्मास में सक्रिय रहने का आह्वान किया। चातुर्मास में मनुहार के साथ

ट्रैफिक व्यवस्था आदि सेवा में युवक संघ की विशेष भूमिका रहेगी। सभा में श्रावक संघ, महिला मंडल, नवकार बहु मंडल के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। श्रावक संघ अलसूर के अध्यक्ष धनपत राज बोहरा एवं मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा के पूर्व आयोजित दक्षिण भोज में हरे पत्ते पर भोजन नहीं परोस कर प्लेट के उपयोग करने के युवक संघ की पहल की अनुमोदना की। मंगल पाठ और राष्ट्रीय गान के साथ सभा संपन्न हुई।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर बेंगलूरु में विराजित साध्वी शशिप्रभा ने अपने उद्बोधन में कहा कि संयम का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। जगत में यदि संयम न हो, तो समूचे विश्व में भय, कोलाहल और आतंक का वातावरण बन जाए। संयम जीवन का अत्यंत आवश्यक तत्व है – यह न केवल हमें आत्मिक शांति प्रदान करता है, बल्कि हमारे लिए भवसागर से पार होने का साधन भी बनता है।

संयम, एक साधक के लिए जीवन का प्राण है। जैसे वृक्ष के पत्ते सूख जाएँ तो वह वृक्ष अपनी कान्ति और सौंदर्य खो देता है, वैसे ही यदि साधक के जीवन में



संयम न हो, तो उसका तप, तेज और जीवन भी कान्तिहीन हो जाता है। जिस साधक की आत्मा में दृढ़ संकल्प और गहरी विरक्ति होती है, उसके वैराग्य का रंग कभी फीका नहीं पड़ता। वह जीवन की हर परिस्थिति में संयम

है। संयम से युक्त जीवन ही सच्चे अर्थों में कल्याणकारी होता है।

आचार्य पार्श्वचन्द्र का 65 वर्ष का संयमी जीवन तप त्याग और ज्ञान का प्रतीक है। उनका योगदान न सिर्फ जयमल संप्रदाय में बल्कि सम्पूर्ण स्थानकवासी समाज में रहा है।

संघ के तत्वावधान में आयोजित मासिक अन्नदानम के लाभार्थी पन्नालाल हुक्मीचंद दिनेशकुमार भलगत परिवार, अल्पाहार के लाभार्थी रोशनलाल, अभयकुमार कल्पेश नाहर और प्रभावना जयमल गुरभक्त परिवार राजाजीनगर की ओर से रही। आभार अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

मासिक अन्नदानम कार्यक्रम का आयोजन

संयम, एक साधक के लिए जीवन का प्राण है: साध्वी शशिप्रभा

सामूहिक क्षमापना दिवस मनाने का निर्णय



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री अखिल भारतीय जैन श्रोतान्त्र मूर्तिपूजक युवक महा संघ के तत्वावधान में सोमवार को गोडवाड़ भवन के महावीर मुखाला हाल में एक आम सभा में सभी के अनुमति से इस वर्ष सभी संप्रदाय को साथ में लेकर सामूहिक क्षमापना दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों ने विचार विमर्श किया। संघ के भूतपूर्व अध्यक्ष भेरूलाल दांतेवाड़िया का श्री संभवनाथ जैन

मंदिर वीवी पुरम का पुनः चेयरमैन पद पर नियुक्त होने पर बहुमान दिया गया। अध्यक्ष मनोज बाफना, मंत्री आशीष बाफना, उपाध्यक्ष चन्द्रकान्त तातेड़, कोषाध्यक्ष सुरेश लखानी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी से पृथ्वीराज मेहता, सलाहकार अशोक गजानंद, कैलाश सकलेचा, महेंद्र सोलंकी एवं संघ के 40 सदस्य उपस्थित थे। सभी का धन्यवाद ज्ञापन युवक महा संघ के सलाहकार कैलाश सकलेचा ने व्यक्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निदेशन में फिट युवा हिट युवा के अंतर्गत तेरापंथ युवक परिषद द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योगा से होगा 2.0 कार्यक्रम के तहत योगा और जुंबा कार्यक्रम अहम भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई। तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने स्वागत किया। अभतेयूप राष्ट्रीय फिट युवा हिट युवा दक्षिण प्रभावी राकेश पोखरणा ने कहा हमें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के सुधार हेतु जीवन में योगाभ्यास को शामिल करने का



प्रयास करना चाहिए। योगा से होगा कार्यक्रम के प्रशिक्षक इंटरनेशनल योगा ट्रेनर शिवराज और मानसा ने कुशलता से सबको सहज कर योगाभ्यास और जुंबा करवाया। तेरापंथ सभा विजयनगर अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप परिवार, महिला मंडल अध्यक्ष मंजू गादिया ने शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर अहम मित्र मंडल के

मंत्री विनोद पारख, तेयुप प्रबंध मंडल से विकास बांठिया, अशोक मारू, पवन बैद, अमित नाहटा, पंकज कोचर, पूर्व अध्यक्ष राकेश दुधोडीया, महेंद्र टेबा, संपत चावत, दिनेश मरोठी, कार्यकारिणी साथी, सदस्य एवं श्रावक समाज की अच्छी उपस्थिति रही। मंत्री संजय भटेवरा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर बेंगलूरु के अन्तर्गत होने वाले श्रमण संघीय उप प्रवर्तिनी महासती निर्मला के आगामी चातुर्मास तैयारी हेतु पदाधिकारियों की सभा का आयोजन किया गया। जिसमें त्रिशला महिला मंडल, त्रिशला बहु मंडल, राजाजीनगर युवा, ब्राह्मी कन्या मंडल व जिनेश्वर युवा, महावीर जैन पाठशाला के पदाधिकारी उपस्थित रहे। आगामी 2 जुलाई को आयोजित चातुर्मास प्रवेश एवं चातुर्मास के दौरान होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विचार विमर्श किया गया। अध्यक्ष



प्रकाशचंद चाणोदिया ने सभी का स्वागत करते हुए चातुर्मास में सभी की सहभागिता व सहयोग का निवेदन किया। मंत्री नेमीचंद दलाल ने कहा कि चातुर्मास में ज्यादा से ज्यादा धर्म आराधना हो, संत-सतिवृंद

की पूर्ण रूप से सेवा हो, उत्साह, लगन और समर्पण भाव से सभी सहयोग करें और संघ की गरिमा बनी रहे।

चातुर्मास के इस सुनहरे अवसर का हम सब मिल कर लाभ उठाए व ज्यादा से ज्यादा

धर्म आराधना करें। चातुर्मास की सफलता में महिला एवं युवाओं का विशेष योगदान रहता है। महिला, बहु, युवा व कन्या मंडल के पदाधिकारियों ने अपने अपने सुझाव रखे। इस अवसर पर संघ उपाध्यक्ष रोशनलाल

नाहर, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगत, त्रिशला महिला मंडल मंत्री रेखा पोखरणा, उपाध्यक्ष अमृता भलगत, कोषाध्यक्ष बबिता कुंकुलोल, त्रिशला बहु मंडल अध्यक्ष नीतू लुंकड़, उपाध्यक्ष सीमा बोहरा, कोषाध्यक्ष हेमा चाणोदिया, रेखा श्रीश्रीमाल राजाजीनगर युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, कोषाध्यक्ष मनोष बोहरा, ब्राह्मी कन्या मंडल अध्यक्ष राखी चाणोदिया, रिया जैन जिनेश्वर युवा अध्यक्ष विशाल गांधी, मंत्री आयुष भलगत व अन्य उपस्थित रहे। संचालन व आभार ज्ञापित मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

देवेगौड़ा श्री गंगा सम्राट श्रीपुरुष पुरस्कार से सम्मानित

मेरी सफलता का श्रेय सभी कन्नड़ लोगों के प्यार और विश्वास को जाता है: देवेगौड़ा



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एच.डी. देवेगौड़ा को देश के संतों की दिव्य उपस्थिति में श्री गंगा सम्राट श्रीपुरुष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. श्री निर्मलानंदनाथ महास्वामीजी, सुत्तूर मठ के पीठ अध्यक्ष श्री शिवरात्रिदेशिकेंद्र महास्वामीजी, सिद्धगंगा मठ के श्री सिद्धलिंग महास्वामीजी, श्री बसवमूर्ति मदारचेन्नैया स्वामीजी, पड़ुनायकनहल्ली मठ के श्री नंजवधुता महास्वामीजी, श्री रामकृष्ण आश्रम के श्री वीरेशानंद सरस्वती स्वामीजी, आदिचुंचनगिरि के श्री सौम्यनाथ स्वामीजी विजयनगर शाखा मठ, विश्व वोक्कालिगरा महा संस्थान मठ के श्री निश्लानंदनाथ स्वामीजी ने शहर में आयोजित एक समारोह में एच.डी. देवेगौड़ा को श्री गंगा सम्राट श्रीपुरुष पुरस्कार प्रदान किया और सम्मानित किया। पुरस्कार पाकर अभिभूत हुए

देवेगौड़ा ने कहा कि मेरी सफलता का श्रेय सभी कन्नड़ लोगों के प्यार और विश्वास को जाता है और मेरी पत्नी चन्नम्मा को, जो जीवन भर मेरी ताकत रही हैं। इस अवसर पर भावुक हुए पूर्व प्रधानमंत्री ने अपनी पत्नी और माता-पिता को गले लगाते हुए आंखों में आंसू भर लिए। वह कुछ देर तक चुप रहे। चन्नम्मा हर मोड़ पर मेरे साथ खड़ी रहीं। उन्होंने कई कठिनाइयों के बावजूद मेरा सम्मान बनाए रखा। मैं उनके योगदान को याद रखूंगा। हमें सबके सामने खड़े होने की ताकत देने वाले आदि चुंचनगिरि मठ के पूर्व प्रमुख पदभूषण डॉ. श्री बालगंगाधरनाथ स्वामीजी थे। जब मैं मुख्यमंत्री था, तब सभी कन्नड़ लोगों ने सोलह लोकसभा सीटें जीती थीं। परिणामस्वरूप, मैं प्रधानमंत्री बन पाया, देवेगौड़ा ने कहा, यह मेरे जीवन का अंतिम समय है। मैं और क्या कर सकता हूँ? लेकिन मेरी बड़ी इच्छा है कि मैं देश

और देश के लोगों की सेवा करूँ। 93 साल की उम्र में आपके आशीर्वाद से मुझे जीवन के इस पड़ाव पर बहुत शांति मिली है। 65 साल की राजनीति में मुझे सभी समुदायों ने पाला है। एक समुदाय नहीं, बल्कि सभी ने मेरा साथ दिया है। एक किसान का बेटा प्रधानमंत्री के रूप में काम कर चुका है। जब चार एकड़ जमीन वाला एक किसान का बेटा उस पद पर जाना चाहता था, तो इस राज्य के सभी समुदायों ने मदद की। मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा। मैंने पूर्व मुख्यमंत्री रामकृष्ण हेगाड़े से कहा था चलो पार्टी को बचाते हैं। लेकिन उन्होंने कहा आप दुश्मन पैदा कर रहे हैं। आप सच बोल रहे हैं, और साथ ही, आप नम्र सच बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप इसके लिए और दुश्मन बनाएंगे। मुझे उनकी बातें अच्छी तरह याद हैं। लेकिन उन्होंने पुरानी राजनीति को याद दिलाते हुए कहा कि मैंने कभी भी सच्चाई से मुंह नहीं मोड़ा। वही,

विधायकों ने मंत्री जमीर के इस्तीफे की मांग तेज की



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आवास योजना रिश्त कांड गंभीर रूप लेता जा रहा है और सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों ने मंत्री जमीर अहमद खान के इस्तीफे की मांग शुरू कर दी है। शिवमोग्गा में पत्रकारों से बात करते हुए सागर विधानसभा क्षेत्र बेलूरु से कांग्रेस विधायक गोपालकृष्ण ने कहा कि आवास मंत्री जमीर अहमद खान पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इसलिए उनके लिए अपने पद से इस्तीफा दे देना ही अच्छा है। ऐसे कई उदाहरण हैं जब ऐसे आरोप लगने पर कई लोगों ने इस्तीफा देकर जांच का सामना किया है। इसी तरह जमीर अहमद खान को भी इस्तीफा देकर जांच का सामना करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर वे निर्दोष साबित होते हैं तो उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किया जाना चाहिए। इसके साथ ही कांग्रेस विधायकों ने आवास विभाग रिश्त कांड की जांच की मांग शुरू कर दी है। मंत्री जमीर अहमद खान पर इस्तीफे के लिए बढ़ते दबाव के बावजूद मुख्यमंत्री सिद्धरामैया चुप हैं। गंभीर आरोप उनके करीबी विधायक बीआर पाटिल ने लगाए हैं। आरोप के

निशाने पर उनके ही करीबी मंत्री जमीर अहमद खान हैं। दोनों के बीच कोई बयान दिए बिना सिद्धरामैया चुप हैं। हर राजनीतिक घटनाक्रम पर बयान देकर प्रतिक्रिया देने वाले सिद्धरामैया अपनी ही सरकार में चर्चित आवास विभाग घोटाले पर तटस्थ होकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं, जो मौन समाधि लक्षणम की तरह है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को कहा था कि वे बी.आर. पाटिल के बयान की निंदा करेंगे। हालांकि सोमवार को उन्होंने अपने बयान से यू-टर्न ले लिया और कहा है कि आवास मंत्री जमीर अहमद खान को इस पर जवाब देना चाहिए। यह स्पष्ट है कि आवास रिश्त कांड ने राज्य सरकार को काफी शर्मिंदा किया है। इस समय वे कोई भी बयान दें, उसका स्वरूप अलग ही होगा, इसलिए मुख्यमंत्री इंतजार करो और देखो की रणनीति पर चल रहे हैं। इस बीच पार्टी के अपने ही विधायक मंत्री जमीर अहमद खान के खिलाफ हो गए हैं। पता चला है कि वे आवास विभाग रिश्त कांड की जांच के लिए उन पर दबाव बना रहे हैं।

सीएम सिद्धरामैया दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से करेंगे मुलाकात

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर सकते हैं। विधान परिषद सदस्यों की नियुक्ति लंबे समय से रुकी हुई है और इस संबंध में आलाकमान के नेताओं से चर्चा करने के लिए सिद्धरामैया दिल्ली जा रहे हैं।

इस बीच, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की कोशिश करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उनसे मुलाकात करेंगी। राज्य सरकार के कई विधेयक रुके हुए हैं और सिद्धरामैया उन पर हस्ताक्षर करने की कोशिश कर रहे हैं।

इसके अलावा, द्रौपदी मुर्मू कर वितरण में राज्य के साथ हो रहे अन्याय की ओर भी उनका ध्यान आकर्षित कर सकती हैं। राजभवन में ही व्यावसायिक विधेयक रुके हुए हैं। उन पर हस्ताक्षर करने में देरी हो रही है और कुछ कानूनी जटिलताओं को रोक दिया गया है। सिद्धरामैया राष्ट्रपति से जनहितैषी कानूनों को लागू करने में सहयोग करने की अपील करेंगे।



राजभवन और राष्ट्रपति भवन की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर अनिवार्य रूप से ऐसी स्थिति उत्पन्न होगी, जहां कानूनी संघर्ष करना पड़ेगा। इसलिए वह राज्य सरकार से विधानमंडल में पारित विधेयकों पर तत्काल हस्ताक्षर करने का अनुरोध करेंगे। राजभवन का राजनीतिक इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिया जाना चाहिए। संघीय व्यवस्था का सम्मान किया जाना चाहिए। कर वितरण में हो रहे अन्याय को दूर किया जाना

चाहिए तथा 16वें वित्त आयोग की उन सिफारिशों पर कार्रवाई की जानी चाहिए जो संघीय व्यवस्था के पूरक तथा राज्यों के अनुकूल हैं। साथ ही सूत्रों ने बताया कि वह कई और केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर राज्य की विभिन्न विकास परियोजनाओं की ओर ध्यान आकर्षित करेंगे। सिद्धरामैया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के लिए भी समय मांगा है। हालांकि बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई है।

कर्नाटक में भ्रष्टाचार के बारे में बी.आर. पाटिल का आरोप सही: कांग्रेस विधायक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधायक और कांग्रेस नेता राजू कागे ने कहा कि अलंद विधायक बी.आर. पाटिल ने कर्नाटक में कुछ सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार के आरोप सही लगाए हैं। एनडब्ल्यूकेआरटीसी के अध्यक्ष ने सोमवार को बेलगावी जिले के कागवाड़ में संवाददाताओं से कहा बी.आर. पाटिल ने कुछ विभागों में भ्रष्टाचार और धीमी गति से काम करने के बारे में जो कहा है, वह सही है।

मैं भी अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास की धीमी गति से परेशान हूँ। उन्होंने कहा काम की धीमी गति के लिए लोग हमारी आल-ोचना कर रहे हैं। मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लोगों का सामना करना मुश्किल है। अगर मैं कुछ दिनों में विधायक पद से इस्तीफा दे दूँ तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा। इससे पहले गरीबों के लिए घर स्वीकृत करवाने के लिए रिश्त देने का गंभीर आरोप लगाने वाले सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक बी.आर. पाटिल ने शनिवार को अपने बयान को फिर से दोहराया



पूरे राज्य की राजनीति में हलचल

पूरे राज्य की राजनीति में हलचल मचाने वाले कलबुर्गी जिले के आलंद विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक पाटिल राज्य योजना एवं नीति आयोग के उपाध्यक्ष हैं और कैबिनेट स्तर के पद पर हैं। आवास विभाग में भ्रष्टाचार होने का उनका सीधा आरोप सरकार के लिए सिरदर्द बना हुआ है। खासकर तब जब मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के करीबी जमीर अहमद खान आवास मंत्री हैं, जिससे जिज्ञासा और बढ़ गई है। बीआर पाटिल भी सिद्धरामैया के करीबी हैं। इससे पहले उन्होंने यह कहकर कांग्रेस सरकार को शर्मसार कर दिया था कि गारंटी योजनाओं के विकास के लिए पैसा नहीं है और सरकार दिवालिया होने की स्थिति में है। ऐसे समय में जब भाजपा नेता कांग्रेस पर 60 प्रतिशत कमीशन का आरोप लगा रहे हैं, सत्ताधारी पार्टी के विधायक बीआर पाटिल के बयान ने विपक्षी दलों को नया हथियार दे दिया है।

था, जिससे राज्य सरकार को गंभीर शर्मिंदगी उठानी पड़ी। शहर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बी.आर. पाटिल ने कहा कि आँडियों में मैंने ही बात की है। मैंने सच कहा है। जो हो रहा है,

वही बताया है। हमारा मूल इरादा यह है कि हम जो जनहितैषी शासन देने के वादे के साथ सत्ता में आए हैं, उसी के अनुसार काम करें। सरकार में भ्रष्टाचार के बारे में मुझे जो कहना था, कह दिया है।

मुझे नहीं पता कि मुख्यमंत्री क्या करेंगे। अगर वे मुझे बुलाएंगे, तो मैं जाकर बोलूंगा। उन्होंने मुझे अभी तक नहीं बुलाया है। मैं खुद नहीं जाऊंगा। भ्रष्टाचार सभी सरकारों में आम बात है। जो लोग

सत्ता में आए थे, उन्होंने वादा किया था कि हम जनहितैषी शासन देंगे। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकाल में ऐसा नहीं होना चाहिए था। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र की पांच-छह पंचायतों में पैसे देकर घर स्वीकृत करवाए हैं। उनके निर्वाचन क्षेत्र के लिए 2,000 घरों की मांग थी। 1,950 घरों को मंजूरी दी गई है। मेरे द्वारा दिए गए पत्रों के लिए घर नहीं दिए गए। पंचायत अध्यक्ष द्वारा दिए गए पत्रों के लिए घर दिए गए। उन्होंने असंतोष व्यक्त किया कि पंचायत अध्यक्ष उनसे निर्वाचन क्षेत्र में पैसे अधिक शक्तिशाली हैं। भ्रमित करने वाले बयान पर हाईकमान की रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मैं हाईकमान की रिपोर्ट क्यों दूँ, और कहा कि मैं अभी हाईकमान की रिपोर्ट देने के लिए काफ़ी कानूनी बाधाएँ हैं। मैंने जो कहा, उसमें कुछ भी गलत नहीं है। मैंने सच कहा है। भाजपा सच नहीं बोलती। उन्होंने ही भ्रष्टाचार के कारण राज्य की हालत खराब की है।

बेंगलूरु में करीब 19 हजार करोड़ की लागत से सुरंग सड़क निर्माण के लिए निविदा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सिलिकॉन सिटी में सुरंग सड़क निर्माण का काम तेज हो गया है। बहुप्रतीक्षित सुरंग सड़क के निर्माण के लिए राज्य सरकार ने निविदाएं आमंत्रित करने की अनुमति दे दी है, तथा सुरंग सड़क निर्माण के लिए निविदाएं आमंत्रित की जा रही हैं। सुरंग सड़क का निर्माण करीब 19 हजार करोड़ की लागत से किया जाएगा, तथा शहर में हेब्बाल जंक्शन से सिल्क बोर्ड जंक्शन तक 17 किलोमीटर लंबी सुरंग सड़क का निर्माण किया जा रहा है। यह बात स्टाइल इंस्टीट्यूट के प्रमुख प्रह्लाद ने कही। प्रस्तावित



सुरंग सड़क पर चलने वाले वाहनों के लिए टोल निर्धारित करने का निर्णय लिया गया है। मंत्रिमंडल की बैठक में सुरंग सड़क के लिए टोल वसूली के लिए प्रशासनिक मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि 19 रुपए प्रति किलोमीटर

टोल वसूलने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। बीबीएमपी ने यहां भी मुंबई मॉडल पर टोल वसूलने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। चार पहिया वाहनों के लिए सिंगल लेन सुरंग की पूरी लंबाई के उपयोग के लिए कम से कम 19 रुपए

प्रति किलोमीटर टोल वसूलने की संभावनाएं हैं। प्रस्तावित सुरंग मार्ग के 2029 तक पूरा होने की संभावना है, तथा 2029 से 2030 तक की अवधि के लिए 19 रुपये प्रति किलोमीटर शुल्क लेने का निर्णय लिया गया है। घनी आबादी वाले क्षेत्र में सुरंग मार्ग के निर्माण से कई तरह की समस्याएं पैदा होंगी।

इस परियोजना से शहर के 20 हजार से अधिक परिवारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। 10 हजार से अधिक घरों में पानी की किल्लत होगी। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बड़ी इमारतों की नींव प्रभावित होगी। सुरंग मार्ग

के निर्माण से घरों के बोरेवेल में जलभराव होगा। सुरंग मार्ग को लगभग 1,000 फीट की गहराई तक खोदना होगा, जिसका मतलब यह होगा कि जमीन से 800 से 1,100 फीट नीचे खोदे गए बोरेवेल वाले हजारों घरों को पानी की आपूर्ति से वंचित होना पड़ेगा।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि प्रस्तावित सुरंग मार्ग कई तरह की समस्याएं पैदा करेगा, क्योंकि इससे हजारों घरों की नींव भी खरे में पड़ जाएगी। हालांकि, आम लोग सुरंग सड़क बनाने की सरकार की पहल के उद्देश्य पर सवाल उठा रहे हैं।

जमीन हस्तांतरित करने पर महिला ने बेटी की हत्या कर आत्महत्या की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक गांव में 30 वर्षीय महिला ने अपने पति के साथ संपत्ति विवाद के चलते खेत के तालाब में कथित तौर पर अपनी आठ वर्षीय बेटी की हत्या कर दी और फिर आत्महत्या कर ली। मृतक माला ने कथित तौर पर अपनी आठ वर्षीय बेटी को अपनी पीठ पर बांधा और कृषि तालाब में कूद गई। यह घटना विज्ञानपुरा पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई। मृतकों की पहचान माला (30) के रूप में हुई है, जो एक गृहिणी



है और उसकी छोटी बेटी अनुश्री (8) एक निजी स्कूल में कक्षा 2 की छात्रा है। माला के परिवार में उसका पति और 10 वर्षीय एक बेटी है। प्राथमिक जांच से पता चला है कि संपत्ति विवाद के चलते माला ने यह कदम उठाया। उसके पति ने अपनी मां और भाई से चर्चा के बाद 10 गुंटा जमीन

एक रिश्तेदार को हस्तांतरित कर दी थी। माला इस बात से नाराज थी कि उसके पति ने उसे बताए बिना जमीन हस्तांतरित कर दी, जिसके कारण दोनों के बीच तीखी बहस हुई। पुलिस ने बताया कि 21 जून की सुबह परिवार के लोग माला और अनुश्री को नहीं ढूँढ पाए। बाद में उनके शव कृषि तालाब में तैरते हुए मिले। पुलिस को सूचना दी गई। महिला के परिवार की शिकायत के आधार पर उसके पति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है।

नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच वार्तालाप के शताब्दी समारोह का शुभारंभ करेंगे मोदी



नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश की दो महानतम आध्यात्मिक हस्तियों श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच ऐतिहासिक वार्तालाप के शताब्दी समारोह का शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री इस अवसर पर उप-स्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे। यह वार्तालाप 12 मार्च 1925 को महात्मा गांधी की यात्रा के दौरान शिवगिरी मठ में हुआ था और यह वैकोम सत्याग्रह, धर्मांतरण, अहिंसा, अस्पृश्यता उन्मूलन, मोक्ष प्राप्ति और दिलों के उत्थान आदि विषयों पर केंद्रित था। श्री नारायण धर्म संघम ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस समारोह में आध्यात्मिक गुरु और अन्य सदस्य एक मंच पर देश के सामाजिक एवं नैतिक ताने-बाने को आकार देने वाले दूरदर्शी संवाद पर विचार करेंगे।

यह श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी दोनों द्वारा समर्थित सामाजिक न्याय, एकता और आध्यात्मिक सद्भाव के साझा दृष्टिकोण को श्रद्धांजलि है।

चुनौतीपूर्ण बनी अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था

जम्मू, 23 जून (ब्यूरो)।

जम्मू संभाग के इंटरनेशनल बॉर्डर का हीरानगर सेक्टर इस बार अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था के लिए चुनौती साबित हो सकता है। हीरानगर सेक्टर से गुजरने वाला नेशनल हाईवे इंटरनेशनल बॉर्डर से कुछ ही किमी की दूरी पर है। हीरानगर सेक्टर की संवेदनशीलता को देखते हुए सीमावर्ती इलाकों में भी चौकसी बढ़ा दी गई है। बॉर्डर से लगते गांवों से लेकर हाईवे तक हर गली, हर मोड़, हर मार्ग की कड़ी निगरानी की जा रही है। सुरक्षाबलों द्वारा पैदल गश्त भी बढ़ा दी गई है और स्थानीय स्तर पर खुफिया तंत्र को सक्रिय कर दिया गया है।

इस बार की अमरनाथ यात्रा सुरक्षा के लिहाज से बेहद चुनौतीपूर्ण मानी जा रही है। प्रशासन ने हर स्थिति से निपटने की रणनीति तैयार कर ली है। ड्रोन की मदद से संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जा रही है। हीरानगर सेक्टर के कुछ हिस्सों में हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जो सीधे कंट्रोल रूम को फीड भेज रहे हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और सेना भी हीरानगर के बॉर्डर क्षेत्रों में हाई अलर्ट पर है। इंटरनेशनल बॉर्डर से लगे हुए मार्गों पर स्पेशल चेकिंग प्वाइंट बनाए गए हैं, ताकि किसी भी संभावित घुसपैठ या



आतंकी गतिविधि को पहले ही रोक जा सके।

सभी एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित कर लिया गया है और फील्ड अफसरों को नियमित रूप से ब्रीफिंग दी जा रही है। एक अधिकारी ने कहा कि अमरनाथ यात्रा आस्था का महापर्व है और इसमें किसी भी तरह की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सरकार और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हीरानगर सेक्टर में हर मोर्चे पर सतर्कता बरती जा रही है ताकि बाबा बर्फानी के दर्शन करने जा रहे श्रद्धालु निश्चित होकर अपनी यात्रा पूरी कर सकें।

सेना प्रमुख जनरल उषेंद्र द्विवेदी ने कश्मीर का दौरा कर अमरनाथ यात्रा के लिए की जा रही सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कश्मीर क्षेत्र में तैनात सुरक्षाबलों और अधिकारियों से मुलाकात कर सुरक्षा व्यवस्था और हालात की जानकारी ली। उनकी चर्चा और चिंता का विषय भी इस बार अमरनाथ यात्रा ही थी। जनरल द्विवेदी को मौजूदा ऑपरेशनल स्थिति और रणनीतिक पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सेना प्रमुख ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

इस साल अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी और 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन समाप्त होगी। पिछले साल करीब 4.5 लाख तीर्थयात्रियों ने अमरनाथ गुफा के दर्शन किए थे। ऐसे में श्रद्धालुओं की रक्षा के लिए जम्मू-कश्मीर आपदा प्रबंधन विभाग ने पहलगाम में एक मॉक ड्रिल (अभ्यास) का आयोजन किया। इस

चमलियाल मेले में फिर नहीं बटेगा शक्कर और शर्बत

जम्मू, 23 जून (ब्यूरो)।

26 जून को रामगढ़ सेक्टर में चमलियाल सीमांत पोस्ट पर आयोजित किए जाने वाले बाबा चमलियाल के मेले में इस बार भी लगातार 8वीं बार दोनों मुल्कों के बीच शक्कर और शर्बत बंटने की उम्मीद नहीं है। पाकिस्तानी रेंजर्स को न्योता ही नहीं दिया गया है।

वर्षों पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए पाकिस्तानी और भारतीय सेनाओं के जवान इस सीमा चौकी पर शक्कर और शर्बत बांट कर उन हजारों लोगों को सुकून पहुंचाते थे, जो चौकी पर स्थित बाबा दिलीप सिंह मन्हास अर्थात बाबा चमलियाल की दरगाह पर माथा टेकने आते थे।

अभ्यास में ग्लेशियर फटने से आने वाली बाढ़ जैसी आपदा की स्थिति को दिखाया गया व इससे निपटने के लिए भी अभ्यास किया गया।

एयर इंडिया विमान को आपात स्थिति में उतारा गया

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। एयर इंडिया के विमानों में तकनीकी खराबी की घटनाएँ कम नहीं हो रही हैं और सोमवार को दिल्ली से जम्मू जाने वाले एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में तकनीकी समस्या आने के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद वापस उतारना पड़ा।

एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि सोमवार 23 जून को दिल्ली से जम्मू के लिए संचालित होने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स 2564 को उड़ान भरने के बाद वापस दिल्ली उतारना पड़ा। उन्होंने कहा कि तकनीकी समस्या के कारण मूल विमान के दिल्ली लौटने के बाद हमारी दिल्ली-जम्मू उड़ान को संचालित करने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई।

ईरान के बाद इजराइल से भी निकाले जा रहे भारतीय, 160 लोगों का पहला बैच जॉर्डन पहुंचा

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते संघर्ष और इजरायली हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण वाणिज्यिक उड़ानों के पूर्ण निलंबन के मद्देनजर, इजरायल और जॉर्डन में भारतीय मिशनो ने ऑपरेशन सिंधु के तहत पहले बैच को सफलतापूर्वक निकाला है। रविवार को दूतावासों के संयुक्त प्रयास से 160 भारतीय नागरिकों को इजरायल से जॉर्डन पहुंचाया गया।

निकाले गए लोगों का समूह शेख हुसैन ब्रिज के ज़रिए जॉर्डन में सुरक्षित रूप से प्रवेश कर गया, जो तेल अवीव से लगभग 120 किलोमीटर दूर है। आग्रजन और सीमा संबंधी औपचारिकताओं के बाद, समूह को सीमा से 120 किलोमीटर दूर अम्मान हवाई अड्डे पर ले जाया गया, जहाँ सोमवार सुबह रवाना होने वाले विशेष

निकासी विमानों के ज़रिए उनके भारत लौटने की व्यवस्था की गई। तेल अवीव में भारतीय दूतावास ने पहले ही चौबीसों घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित कर दिया था और भारतीय नागरिकों को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण करने का निर्देश दिया था।

निकासी की प्राथमिकताएँ चिकित्सा आपात स्थिति, छोटे बच्चों, महिलाओं और छात्रों की उपस्थिति जैसे मानदंडों के आधार पर निर्धारित की गई थीं। दूतावास के अधिकारियों ने यात्रा व्यवस्था-1ओं को अंतिम रूप देने के लिए पंजीकृत व्यक्तियों से फ़ोन और ईमेल के ज़रिए संपर्क किया। अम्मान में भारतीय दूतावास ने निकाले गए लोगों के आवास और परिवहन का जिम्मा संभाला। इजरायल और जॉर्डन दोनों सरकारों

ने भारतीय नागरिकों के सुचारू और सुरक्षित पारगमन को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की। विदेश मंत्रालय ने अम्मान से दिल्ली के लिए विशेष उड़ानों की भी व्यवस्था की, और दक्षिणी इजरायल में रहने वाले भारतीयों को समायोजित करने के लिए मिश्र से अतिरिक्त उड़ानों की योजना बनाई जा रही है।

मिशन ने इस बात पर जोर दिया कि ऑपरेशन सिंधु अपने प्रवासी समुदाय की सुरक्षा और भलाई के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इजरायल में 40,000 से अधिक भारतीय रहते हैं, इसलिए सरकार स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रही है। यह निकासी भारत के पिछले सफल अभियानों जैसे ऑपरेशन गंगा, देवी शक्ति, कावेरी और अजय की याद दिलाती है।

अरब देश होंगे अमेरिका और इजराइल का अगला निशाना : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर, 23 जून (एजेंसियां)। नेशनल कॉफ्रिस (नेका) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को अरब देशों को चेतावनी दी कि इजराइल और अमेरिका का अगला निशाना वही होंगे क्योंकि उनके तेल और गैस पर दोनों देशों की नजर है।

उन्होंने कहा, यह उनकी (अमेरिका की) लंबे समय से नीति रही है कि ईरान को परमाणु शक्ति नहीं बनना चाहिए। यहां तक कि क्षेत्र के सुन्नी देश भी इसके खिलाफ हैं, लेकिन उनमें बोलने का साहस नहीं है। अब्दुल्ला ने यहां नवा-ए-सुबह में पार्टी की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, आज वे सोचते हैं कि ईरान पर हमला



हुआ है, लेकिन मैं आपके माध्यम से उन्हें चेतावनी देना चाहता हूँ कि एक दिन इजराइल उन पर भी हमला करेगा, क्योंकि वे तेल और गैस जैसी उनकी संपत्ति चाहते हैं। इजराइल केवल एक मुखौटा है, अमेरिका उसके ठीक पीछे खड़ा है।

पश्चिम एशिया में युद्ध के विकराल रूप लेने के असर के

बारे में पूछे जाने पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे सभी देशों की आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि (अन्य) विश्व शक्तियां स्थिति पर नजर रख रही हैं। अगर यह (युद्ध) बढ़ता है, तो हर देश की आर्थिक स्थिति बर्बादी की ओर बढ़ जाएगी। उन्हें इसे रोकने की

कोशिश करनी चाहिए और मैं प्रार्थना करता हूँ कि वे सफल हों, क्योंकि भारत में भी हमारी स्थिति बहुत खराब है।”

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की शर्तों को लेकर मीडिया के एक धड़े में आई खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि मीडिया झूठ फैला रहा है।

नेका नेता ने कहा, उन्हें (शर्तों के बारे में) किसने बताया? क्या उनके समक्ष किसी ने रहस्योद्घाटन किया?

यहां मीडिया झूठ फैलाने में माहिर है, वह सच नहीं बोलता। राज्य का दर्जा जम्मू-कश्मीर के लोगों का अधिकार है। यह उन पर कोई एहसान नहीं है।

यूपी में 24 हजार पदों पर होंगी पुलिस भर्तियां

4543 दारोगा की भर्ती की हो रही तैयारी

लखनऊ, 23 जून (एजेंसियां)।

यूपी पुलिस में भर्ती की तैयारी हो रही है। कुल 24 हजार पदों में करीब साढ़े चार हजार पद दारोगाओं के हैं। इनकी भर्ती पहले होगी। प्रदेश पुलिस में उपनिरीक्षक (दारोगा) नागरिक पुलिस के 4543 पदों पर भर्ती की कवायद जल्द शुरू होगी। उप पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड दारोगा सीधी भर्ती की कवायद जल्द शुरू करने जा रहा है। प्रदेश पुलिस में जल्द करीब 24 हजार पदों पर भर्ती होनी है, जिसमें 4543 दारोगा के पद भी शामिल हैं। फिलहाल सिपाहियों से पहले दारोगा भर्ती को तबज्जो देने की तैयारी है।

मालूम हो कि डीजीपी मुख्यालय द्वारा भर्ती बोर्ड को 19220 सिपाही एवं उसके समकक्ष पदों तथा उपनिरीक्षक एवं उसके समकक्ष 4543 पदों पर सीधी भर्ती के लिए प्रस्ताव भेजा जा चुका है। बोर्ड ने इन दोनों पदों पर भर्ती के लिए पहले अप्रैल माह के तीसरे सप्ताह में विज्ञप्ति जारी करने की घोषणा की थी, हालांकि इसमें लगातार विलंब होता जा रहा है।

दारोगा भर्ती में शासन ने आयु सीमा में 3 वर्ष की छूट देने का प्रस्ताव बीते दिनों मंजूर कर लिया है, जिससे भर्तियों का रास्ता साफ हो चुका है। वहीं सिपाही भर्ती के लिए कुछ बिंदुओं पर शासन से सहमति मांगी गई हैं। शासन से अभी तक सहमति नहीं मिलने की वजह से इसमें और



विलंब होने के आसार हैं। इस दरम्यान दारोगा के पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी तेजी से जारी है। सुर्खों की मांगें तो अगले माह इसकी विज्ञप्ति जारी की जा सकती है।

इसी तरह कारागार विभाग में भी जेल वार्डर की भर्ती का इंतजार बढ़ता जा रहा है। इसका प्रस्ताव बीते दिनों कारागार विभाग द्वारा भर्ती बोर्ड भेजा जा चुका है। बोर्ड ने जेल वार्डर के 2833 पदों पर सीधी भर्ती के लिए अप्रैल माह के तीसरे सप्ताह में विज्ञप्ति जारी करने की घोषणा की थी, हालांकि इसकी प्रक्रिया अभी तक शुरू नहीं की जा सकी है। जेल वार्डर की भर्ती से भी कारागार विभाग में रिक्त पदों को भरा जा सकेगा। खासकर नई जेलों में इनकी तैनाती की जा सकेगी। उपनिरीक्षक के जिन पदों पर भर्ती होनी है उनमें 4242 उप निरीक्षक नागरिक पुलिस, 106 उपनिरीक्षक पीएसी महिला वाहिनी (नागरिक पुलिस), 135 उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस और 60 उपनिरीक्षक विशेष सुरक्षा बल शामिल हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के चारों हत्यारों के मारे जाने तक ऑपरेशन सिंदूर जारी रहना चाहिए : ओवैसी

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्-हेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि भारत को ऑपरेशन सिंदूर तब तक जारी रखना चाहिए जब तक कि पहलगाम आतंकी हमले के चारों हत्यारे मारे नहीं जाते।

एक टीवी कार्यक्रम के दौरान ओवैसी ने चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान ने दोबारा हिमाकत की तो बहुत महंगा साबित होगा इस बार।

ओवैसी ने कहा कि अगर भारतीय सशस्त्र बल चाहते तो पाकिस्तान के सभी भी एयरबेस को पूरी तरह तबाह कर सकते थे, लेकिन उन्होंने सिर्फ रनवे को निशाना बनाया। यह उनके लिए एक संदेश था कि यह तो बस ट्रेलर था और उन्हें सावधान रहना चाहिए। हमारी सेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया और दुश्मन को मैसैज मिल गया। यही वजह है कि उनके डीजीएमओ ने हमारे डीजीएमओ को फोन कर सैन्य कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई। एआईएमआईएम नेता, जो सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया जैसे इस्लामी देशों में

सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे, ने कहा कि पाकिस्तान हमेशा झूठ फैलाता है। उसकी सेना ड्रामेबाजी करती है। पाकिस्तान के आर्मी चीफ ने अपने प्रधानमंत्री को चीनी सेना की कई साल पुरानी ड्रिल की फर्जी तस्वीर दिखाकर बेवकूफ बनाने की कोशिश की। उनके प्रधानमंत्री ने टैंक पर खड़े होकर कैमरे के लिए पोज दिया, लेकिन इस संघर्ष में टैंकों का इस्तेमाल हुआ ही नहीं। सिर्फ पंख में, उन्होंने नागरिक इलाकों पर गोले बरसाए, जिसमें एक मस्जिद के इमाम और जुड़वा बहनों सहित कई नागरिक मारे गए। पाकिस्तान कभी भी भारत के साथ जंग नहीं जीत सकता। भविष्य में भी नहीं, इंशा अल्लाह।

ओवैसी ने कहा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री (शहबाज शरीफ) ने खुद कहा कि वह स्विमिंग ट्रंक पहनकर तैर रहे थे जब उन्हें खबर मिली कि भारत ने उनके नौ हवाई अड्डों पर हमला किया है। एक विदेशी पत्रकार ने मुझसे पूछा कि यह कैसे हुआ। मैंने मज़ाक में कहा कि हमने नमाज़-ए-फ़ज़्र से पहले 'अल्लाहु अकबर' का नारा लगाया और हमला कर दिया। ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान



एक नाकाम मुल्क है और हमेशा ऐसा ही रहेगा। उसकी सेना और डीप स्टेट भारत के लिए खतरा बने रहेंगे। पाकिस्तान की सेना दुनिया की इकलौती ऐसी सेना है जो रियल एस्टेट और होटलों का कारोबार करती है। पाकिस्तान की सेना का एकमात्र मकसद इस्लाम की रक्षा के नाम पर अपनी गलतियों को छिपाना है, लेकिन उसका असली मकसद सांंप्रदायिक तनाव भड़काकर भारत को अस्थिर करना है।

एआईएमआईएम सुप्रीमो ने कहा पाकिस्तान की तरफ से खतरा तब तक कम नहीं होगा जब तक उसकी सेना देश पर कब्जा जमाए रखेगी। वह आतंकी गुटों का समर्थन करती रहेगी। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वह कामयाब न हो।

ट्रम्प के साथ आसिम मुनीर के लंच पर जब रजत शर्मा ने ओवैसी से पूछा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पाकिस्तानी सेना

प्रमुख आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस में लंच पर क्यों बुलाया, ओवैसी ने जवाब दिया: आसिम मुनीर को पाकिस्तान के लोगों को बताना चाहिए कि उन्होंने ट्रम्प के साथ क्या सौदा किया है। जब ट्रम्प ने मुनीर को लंच पर बुलाया, तो उन्होंने ज़रूर उनसे (ईरान-पाक) बॉर्डर पर कुछ करने के लिए कहा होगा। उन्हें नाचने के लिए मजबूर किया जाएगा, और वे (अमेरिका) उन्हें नचाएंगे। व्हाइट हाउस में मुफ्त का लंच नहीं मिलता। यह जगज़ाहिर है कि अमेरिका की पहुंच पाकिस्तान के ज़्यादातर ठिकानों तक है, जबकि भारत में हम किसी भी दूसरे देश को अपने ठिकानों तक पहुंच नहीं देते।

ट्रम्प के युद्धविराम करवाने के दावे पर व्यापार सौदों की पेशकश कर भारत-पाकिस्तान के बीच सीज़फायर करवाने के ट्रंप के दावों के बारे में पूछे जाने पर ओवैसी ने कहा: सबसे पहले, मुझे नहीं लगता कि ट्रम्प को ज़्यादा जानकारी है। भारत का अमेरिका के साथ रणनीतिक रिश्ता है और ट्रम्प 'बके जा रहे हैं, बके जा रहे हैं'। हमारे प्रधानमंत्री ने उनसे आधे घंटे तक बात की, हमारे विदेश सचिव ने उनका वीडियो जारी किया। फिर भी ट्रम्प ने दावा किया

कि उन्होंने व्यापार सौदों की पेशकश कर जंग रोकी।

ओवैसी ने कहा: पाकिस्तान का अमेरिका के साथ व्यापार मुश्किल से 4 बिलियन डॉलर का है, जबकि भारत का अमेरिका के साथ व्यापार 180 बिलियन डॉलर का है। अगर भारत अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार संधि पर सहमत होता है, तो लक्ष्य 500 बिलियन डॉलर का है। वे (अमेरिका) 5 बिलियन की ट्रेड चाहते हैं या 500 बिलियन की? मुझे लगता है कि पाकिस्तान के क्रिप्टो कनेक्शन की वजह से वह (ट्रम्प) बकवास कर रहे हैं। जहां तक गोलीबारी बंद करने की बात है, मेरी शिकायत यह है कि इसके बारे में हमारे प्रधानमंत्री या हमारी सरकार को ऐलान करना चाहिए था, न कि ट्रम्प से दुनिया को यह पता चलनी चाहिए थी। यह हमारी सरकार है, हमारा देश है, और हमें दूसरे देश के नेता से यह सपना चला। ओवैसी ने आगे कहा, अगर ट्रम्प दावा करते हैं कि उन्होंने हमारी जंग रोकी, तो वे इज़रायल के फ़िलिस्तीन पर हमले क्यों नहीं रोक रहे? अगर उनके पास इतनी ताकत है, तो ईरान-इज़रायल जंग और रूस-यूक्रेन जंग को भी खत्म करवा दें।

उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने पंचायत चुनाव की प्रक्रिया पर लगायी रोक



नैनीताल, 23 जून (एजेंसियां)।

उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने सोमवार को अपने महत्वपूर्ण निर्णय में प्रदेश में चल रहे त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की पूरी प्रक्रिया पर रोक लगा दी। साथ ही सरकार से जल्द से जल्द जवाब देने को कहा है।

मुख्य न्यायाधीश जी. नरेन्द्र और न्यायमूर्ति आलोक महारा की खंडपीठ ने वीरेन्द्र सिंह बुटोला और गणेश दत्त कांडपाल की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई के बाद आज यह आदेश जारी किए।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पृथक पृथक रूप से दायर याचिकाओं में कहा गया कि सरकार ने प्रदेश में चल रहे त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिये जो आरक्षण तय किया है वह गलत है।

सरकार की ओर से जो आरक्षण निचोमावली बनायी गयी है उसे गजट नोटिफिकेशन नहीं किया गया है। इसलिये आरक्षण

की प्रक्रिया गलत है। इस बिन्दु पर खंडपीठ ने विगत 20 जून को सुनवाई करते हुए सरकार से स्थिति स्पष्ट करने को कहा था। आज सरकार इस मामले में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पायी। दूसरी ओर सरकार की तरफ से कहा गया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव घोषित हो गये हैं। उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार इसमें अदालत हस्तक्षेप नहीं कर सकती है।

महाधिवक्ता एसएन बाबुलकर की ओर से कहा गया कि पूरी मशीनरी चुनावी प्रक्रिया में व्यस्त है। ऐसे में रोक लगाना गलत है। अधिवक्ता अनिल जोशी ने बताया कि अदालत ने अंत में पूरी चुनावी प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। साथ ही सरकार से कहा है कि वह जल्द से जल्द जवाब पेश करें।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव चल रहे हैं। सरकार ने दो दिन पूर्व चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है।

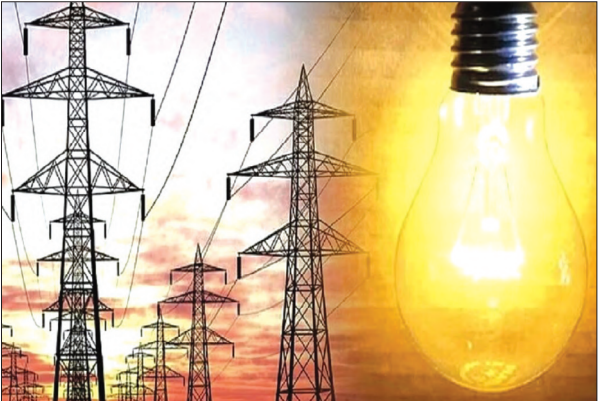
ऊर्जा मंत्री ने साफ-साफ कहा

यूपी में बिजली का होगा निजीकरण

सरकारी कर्मचारी आरपार करने के मूड में

लखनऊ, 23 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने साफ-साफ कहा कि उत्तर प्रदेश में बिजली का निजीकरण होगा। उन्होंने माना कि राज्य की बिजली व्यवस्था ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि जितनी अच्छी व्यवस्था बिजली की होनी चाहिए उतनी नहीं है। लिहाजा, बिजली विभाग का निजीकरण जनता के हित में है।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि वर्तमान में 24 घंटे बिजली आपूर्ति, बिलिंग और कर्मचारियों का व्यवहार जनता के प्रति उचित नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिजली विभाग के कर्मचारी निजीकरण का विरोध नहीं कर रहे हैं। कुछ नेता अपनी राजनीति चमकाने के लिए विरोध कर रहे हैं। एके शर्मा ने निजीकरण के फायदे गिनाते हुए सड़क और एयरपोर्ट का उदाहरण दिया। उन्होंने टेलीफोन सेवाओं का भी जिक्र किया। कहा कि पहले फोन कनेक्शन के लिए लंबी लाइन लगती थी। आज जब चाहें तब कनेक्शन मिल जाता है। मंत्री ने बताया कि बिजली विभाग के निजीकरण पर मंथन चल रहा है। इससे जनता को निर्बाध बिजली



आपूर्ति के साथ कई समस्याओं का समाधान मिलेगा। शर्मा ने कहा, आपने देखा होगा कि पहले सरकार रोड बनाती थी। एयरपोर्ट चलाती थी। उस समय के रोड और एयरपोर्ट कैसे थे। जब निजीकरण हुआ, तो आज के एयरपोर्ट और हाईवे देख लीजिए। यही नहीं टेलीफोन में पहले कनेक्शन लेने के लिए वर्षों लाइन लगती थी। निजीकरण हुआ, तो तेजी से मिलने लगा। आज हर आदमी के हाथ में मोबाइल है। निजीकरण के बहुत फायदे हैं।

ऊर्जा मंत्री की इस घोषणा पर प्रदेश के बिजली कर्मियों ने सरकार को आगाह करते हुए कहा कि निजीकरण हुआ तो उत्तर

प्रदेश लालटेन युग में लौट जाएगा। यूपी के बिजली कर्मचारियों ने साफ किया है कि वह 9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल करेंगे। इसमें बिजली कर्मचारियों के अलावा दूसरे विभागों के कर्मचारी भी शामिल होंगे। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से राजधानी में आयोजित महापंचायत ने निर्णय लिया कि प्रदेश में बिजली कंपनियों के निजीकरण के विरोध में 9 जुलाई को देश के 27 लाख बिजलीकर्मों एक दिन की राष्ट्रव्यापी सांकेतिक हड़ताल करेंगे। बिजलीकर्मों, रेल कर्मचारी, राज्य कर्मचारी, किसान और उपभोक्ता व्यापक आंदोलन

का हिस्सा बनेंगे। इसकी तैयारी के तहत 2 जुलाई को देशभर में व्यापक विरोध किया जाएगा। समिति ने चेतावनी दी कि इसके बाद भी प्रबंधन ने फैसला नहीं बदला तो जेल भरो आंदोलन की शुरुआत की जाएगी। अगले चरण में इसकी भी तिथि घोषित की जाएगी।

प्रदेश में बिजली निजीकरण का फैसला पहले भी दो सरकारें वापस ले चुकी हैं। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने निजीकरण का फैसला वापस लेने की मांग की है, क्योंकि विद्युत नियामक आयोग ने निजीकरण के फैसले में कई आपत्तियां निकली हैं। इन आपत्तियों से स्पष्ट हो गया है कि निजीकरण का प्रस्ताव ही गलत है। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा 2006 में उपभोक्ता परिषद की याचिका पर तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह की सरकार में निजीकरण के तहत सेस फ्रेंचाइजी का फैसला वापस हुआ था। यह फ्रेंचाइजी लखनऊ के ग्रामीण क्षेत्र माल, मलिहाबाद, काकोरी से संबंधित था। जिस दिन उसका टेकओवर किया जा रहा था, उसी दिन विद्युत नियामक

आयोग द्वारा पूरे मामले पर रोक लगा दी गई थी। ऐसे में सरकार ने फैसला वापस ले लिया। इसी तरह वर्ष 2014 में जब पांच शहरों में बिजली के निजीकरण का मामला तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यकाल में कैबिनेट से पास हुआ था। मगर उपभोक्ता परिषद की याचिका पर विद्युत नियामक आयोग द्वारा अवमानना नोटिस जारी किए जाने के बाद उसे भी वापस कर लिया गया था। उपभोक्ता परिषद ने आगाह किया है कि यदि जबरन प्रदेश में बिजली का निजीकरण हुआ तो उसके दो नुकसान होंगे। एक तो बिजली के दाम कई गुना बढ़ जाएंगे दूसरी तरफ गांवों की बिजली व्यवस्था फिर से लालटेन युग में लौट जाएगी।

अब वर्तमान में जब विद्युत नियामक आयोग के सामने उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन का पूरा मसौदा वित्तीय और विधिक सलाह के लिए पेश किया गया तो उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने उसमें बड़े पैमाने पर वित्तीय और सांविधानिक कमियां उजागर करते हुए अपनी अंतिम रिपोर्ट पेश कर दी है।

राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह और मनोज पांडेय पर कार्रवाई

समाजवादी पार्टी ने तीन विधायकों को निकाला

राम को गाली देने वाले स्वीकार्य नहीं : मनोज पांडेय

लखनऊ, 23 जून (एजेंसियां)।

समाजवादी पार्टी ने गोसाईगंज से विधायक अभय सिंह, गौरीगंज से विधायक राकेश प्रताप सिंह और ऊंचाहार से विधायक मनोज कुमार पांडेय को पार्टी निकाल दिया है। इन विधायकों पर सांप्रदायिक और विभाजनकारी सियासत को बढ़ावा देने के साथ-साथ किसान विरोधी, महिला विरोधी, युवा विरोधी और व्यापार विरोधी नीतियों का समर्थन करने का आरोप है।

समाजवादी पार्टी ने जानकारी दी है कि विधायक अभय सिंह, राकेश प्रताप सिंह और मनोज कुमार पांडेय को उनकी सांप्रदायिक विभाजनकारी नकारात्मकता और किसान विरोधी, महिला विरोधी, युवा विरोधी, कारोबारी विरोधी , नौकरपेशा विरोधी और पीडीए विरोधी विचारधारा का समर्थन



करने के कारण निष्कासित कर दिया।

पार्टी की इस कार्रवाई के बाद विधायक मनोज पांडेय ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर भगवान राम को गाली देने का आरोप लगाया और कहा कि भगवान राम को गाली देने वाले लोग स्वीकार्य नहीं हैं। हम ऐसी राजनीति नहीं कर सकते, जहां हमारे आराध्य को गालियां देकर राजनीति की रोटियां सेंकी जाती हों। उल्लेखनीय है कि मनोज पांडेय ने कुछ अर्सा पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ली थी। मनोज पांडेय ने कहा, सपा ने तो बहुत देर कर दी, हमने तो 18 मई

2024 को ही अपनी रणनीति बना ली थी। जब हमने गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ले ली थी। मनोज पांडेय रायबरेली की ऊंचाहार सीट से विधायक हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी छोड़ी थी। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के बाद से वह भाजपा के खेमे में आ गए थे।

मनोज पांडेय ने कहा, हमें आस्था से खिलवाड़ स्वीकार नहीं है। हमने कई बार पार्टी नेतृत्व को यह बात बताई। जिसने मां सीता को गाली दी, भगवान राम को गाली दी, वह पार्टी में महासचिव बना दिया गया। जब दूसरे दिन रामचरितमानस जलाई तो उसे विधान परिषद सदस्य बना दिया गया। मैंने उस समय से इसका विरोध किया। पार्टी के सामने अपनी बात रखी। जिस राजनीति में हमारी आस्था से खिलवाड़ होगा, न तो वह राजनीति हमें स्वीकार है। न ऐसा कोई पद या ऐसी बेमानी प्रतिष्ठा।

ईरान पर अमेरिकी हमले से बढ़ी 150 परिवारों की चिंता

मुरादाबाद, 23 जून (एजेंसियां)।

ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद मुरादाबाद मंडल के 150 परिवारों की चिंता बढ़ गई है। इसमें 100 के करीब छात्र और 50 लोग धार्मिक यात्रा पर गए हुए हैं। परिजनों का कहना है कि उसने बमुश्किल बात हो पा रही है। अमरोहा और संभल के सैकड़ों परिवारों के बच्चे या बुजुर्ग ईरान में फंसे हैं।

रविवार को ईरान पर अमेरिका ने हमला किया, जिससे इन परिजनों की रातों की नींद और दिन का चैन छीन लिया। मंडल के कई बच्चे ईरान के तेहरान, मशहद और कुम शहर में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। ईरान में व्हाट्सएप न चल पाने की वजह से इन परिजनों की उनके बच्चों से बातचीत भी ठीक तरह से नहीं हो पा रही है। ईरान में फंसे करीब 150 लोगों के परिवारजन पूरे दिन अपनी की खेरियत जानने के लिए परेशान रहे। मंडल से अधिकतर लोग तीर्थयात्रा और पढ़ाई के सिलसिले में ईरान गए हुए हैं। ईरान में हवाई सेवा बंद होने की वजह से उनकी वापसी नहीं हो पा रही है।

डिट्पिंगज के रहने वाले मो. महताब ने बताया कि उनका बेटा ईरान में पढ़ाई कर रहा है। रविवार की सुबह जब अमेरिकी हमले



की खबर सुनी तो दिल दहल गया। काफी देर तक बेटे से संपर्क करने की कोशिश करते रहे। नेटवर्क की दिक्रत के चलते बात नहीं हो पाई। हालांकि, दोपहर में बेटे का फोन आया तो उसकी खेरियत मिली। बेटे ने बताया कि वह कुम में है और वहां के हालात सामान्य हैं। सिरसी के मौलाना इजहार ने बताया कि तीर्थयात्री और छात्र भारतीय दूतावास से संपर्क में हैं। उन्हें ऑपरेशन सिंधू की मदद से वहां से निकालने की तैयारी है। फिलहाल दूतावास ने सभी को सुरक्षित स्थानों पर ठहराया है। भारत सरकार की ओर से लगातार निगरानी की जा रही है।

परिजनों ने रविवार को ईरान और शहर के लोगों की सलामती की दुआएं मांगीं और सरकार से अपील की कि फंसे लोगों को जल्द से जल्द सुरक्षित भारत लाया जाए। लोगों का कहना है कि ईरान में मुरादाबाद,

अमरोहा और संभल से करीब 150 लोग मौजूद हैं, जिनमें 40 से अधिक तीर्थयात्री और लगभग 100 छात्र-छात्राएं हैं। अमरोहा के नौगांवा सादात के रहने वाले राजा की पत्नी और उनकी साली तीर्थयात्रा पर ईरान गई हुई हैं। उन्हें जिस दिन भारत वापस लौटना था, उसी रात इजराइल ने ईरान पर हमला कर दिया था। इसके बाद ईरान ने अपनी हवाई सेवा बंद कर दी। दोनों बहनें मशहद शहर में ही फंस गईं।

रजा ने बताया कि अमेरिकी हमले की जानकारी सुबह साढ़े पांच बजे ही मिल गई थी। इसके बाद से पूरे दिन पत्नी का हाल जानने के लिए परेशान रहे। लगातार सब खेरियत होने की दुआएं भी करते रहे। शाम के करीब चार बजे पत्नी का फोन आया, तब जाकर राहत मिली। उनकी पत्नी ने जानकारी दी कि मशहद में पूरी तरह से शांति है। घबराने की बात नहीं है। इसी तरह संभल की रहने वाली नाजिया, जो तेहरान यूनिवर्सिटी से पढ़ाई कर रही हैं उन्होंने भी मैसेज कर अपने घरवालों को आश्वस्त किया कि वह लोग पूरी तरह से सुरक्षित हैं और स्थानीय प्रशासन की ओर से सुरक्षा के सभी बंदोबस्त किए जा रहे हैं।

यूपी विधानसभा से तीन साल में रह हुई 6 विधायकों की सदस्यता

लखनऊ, 23 जून (एजेंसियां)।

जून के महीने की शुरुआत में उत्तर प्रदेश के विधायक अब्बास अंसारी को तीन साल पुराने भड़काऊ भाषण के मामले में दो साल की कैद की सजा सुनाई गई थी।

इसके बाद उनकी यूपी विधानसभा से सदस्यता चली गई। गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी की पिछले साल बांदा जेल में मौत हो गई थी। मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी योगी कैबिनेट में शामिल मंत्री ओम प्रकाश राजभर के नेतृत्व वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के मऊ सदर विधायक थे।

सुभासपा का पहले समाजवादी पार्टी से गठबंधन था लेकिन वो गठबंधन टूट गया है और सुभासपा आज एनडीए में है। अब्बास की अयोग्यता के बाद, 403 सदस्यीय यूपी सदन ने फरवरी-मार्च 2022 के विधानसभा चुनावों के बाद से अब तक निलंबित होने वाले विधायकों की संख्या 06 तक पहुंच गई है। हाल के वर्षों में अयोग्यता का ये आंकड़ा काफी ज्यादा है, जबकि अभी भी यूपी विधानसभा का दो साल का कार्यकाल बचा हुआ है।

सजा होने पर विधायकों और सांसदों की सदस्यता जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 के तहत अयोग्य घोषित किया जाता है, जिसके तहत कुछ मामलों में दोषियों को छह साल के लिए अयोग्य घोषित किया जाता है, जिसमें दो या अधिक वर्षों की जेल की सजा वाले किसी भी अपराध के लिए दोष सिद्ध भी शामिल है। मुख्य विपक्षी दल सपा ने अपने विधायकों की अयोग्यता को बदले की राजनीति बताया है, जबकि भाजपा ने कहा है कि अयोग्यताएं अदालती सुनवाई और दोषसिद्धि के मद्देनजर की गई हैं। सपा प्रवक्ता और घोसी से लोकसभा सांसद राजीव राय ने कहा कि यह कुछ और नहीं बल्कि भाजपा सरकार की सत्ता के अहंकार के कारण हमारे नेताओं के खिलाफ प्रतिशोध की राजनीति है। यह सत्ता का खुला दुरुपयोग है। भाजपा के प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि अयोग्यताएं एक प्रक्रिया के तहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि क्या सपा हमारे लोकतंत्र और न्यायपालिका पर भरोसा कर भरोसा नहीं है, कि इस तरह के सवाल उठाए हैं।

2017 में भाजपा की सत्ता आने के बाद पूर्व मंत्री और सपा नेता

आजम खान के खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए। 2022 में आजम खान को 2019 के एक नफरत भरे भाषण मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद अपनी विधानसभा सदस्यता खोनी पड़ी। चुनाव अधिकारी अनिल कुमार चौहान की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया था। आजम खान पर आरोप था कि उन्होंने संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, उन्हें धमकाया और दंगा भड़काने की कोशिश की। इस सीट पर 2022 दिसंबर में चुनाव हुए तो आकाश सक्सेना ने जीत हासिल की थी।

नवंबर 2022 में, 2013 मुजफ्फरनगर दंगों से जुड़े एक मामले में दो साल की कैद की सजा सुनाए जाने के एक महीने बाद सैनी को अयोग्य घोषित कर दिया गया था। सैनी को तब अयोग्य घोषित किया गया था जब राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के प्रमुख जयंत चौधरी ने यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को एक पत्र लिखकर पूछा था कि जब सपा विधायक आजम खान के मामले में तुरंत कार्रवाई की गई थी, तो दोषी विधायक की सीट अभी तक खाली

क्यों नहीं घोषित की गई। दिसंबर 2022 के उपचुनाव में सपा समर्थित रालोद उम्मीदवार मदन भैया ने सैनी की पत्नी और भाजपा उम्मीदवार राजकुमारी सैनी को 22,143 से अधिक मतों से हराया। फरवरी 2023 में आजम खान के बेटे अब्दुल्ला को 15 साल पुराने एक मामले में दो साल की कैद की सजा सुनाए जाने के बाद विधानसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया था, जिसमें अब्दुल्ला और उनके पिता पर मुरादाबाद में पुलिस द्वारा चेंकिंग के लिए उनके वाहन को रोके जाने के बाद यातायात को अवरुद्ध करने का मामला दर्ज किया गया था। जिस घटना के लिए दोनों नेत-ओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, वह जनवरी 2008 में पड़ोसी रामपुर जिले में सीआरपीएफ कैम पर हनु आतंकी हमले के एक दिन बाद हुई थी, जिसमें सात जवानों और एक रिक्शा चालक की जान चली गई थी। अदालत ने दोनों को भारतीय दंड संहिता की धारा 341 और 353 तथा आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम के तहत दोषी ठहराया था। अब्दुल्ला को विधानसभा से अयोग्य ठहराए जाने का यह दूसरा

मामला है। इससे पहले 2020 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उनके चुनाव को रद्द कर दिया था जिसके बाद उन्हें अयोग्य घोषित किया गया था। मई 2023 के उपचुनाव में यह सीट भाजपा की सहयोगी अपना दल (सोनिलाल) के उम्मीदवार शफीक अहमद अंसारी ने सपा की अनुराधा चौहान के खिलाफ 8,724 वोटों से जीती थी। जून 2024 में सोलंकी उनके छोटे भाई रिजवान और तीन अन्य को 2022 में कानपुर के जाजमऊ इलाके में एक महिला को परेशान करने और उसकी जमीन हड़पने के प्रयास में उसके घर में आग लगाने के आरोप में सात साल कैद की सजा सुनाई गई थी। चार बार विधायक रहे सोलंकी के खिलाफ 2022 से अब तक आठ मामलों में मामला दर्ज किया जा चुका है, जिसमें यूपी गैंगस्टर एक्ट और जालसाजी के आरोप शामिल हैं। इसके बाद सोलंकी को विधानसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। नवंबर 2024 में हुए उपचुनाव में इरफान सोलंकी की पत्नी सपा उम्मीदवार नसीम सोलंकी ने सीसामऊ सीट से भाजपा के सुरेश अवस्थी को 8,564 वोटों से हराया।

2027 चुनावों के लिए बसपा ने बदली रणनीति

मायावती ने मैदान में सक्रिय की 600 टीमें

लखनऊ, 23 जून (एजेंसियां)।

बीते कई चुनावों में दयनीय प्रदर्शन करने वाली बसपा 2027 के चुनावों के लिए अभी से तैयारी में जुट गई है। मायावती इसकी सीधी निगरानी कर रही हैं। डेढ़ साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी गांव-गांव जाकर अपना जनाधार बढ़ा रही है। पार्टी की करीब 1600 टीमों गांवों में पोलिंग बूथ और सेक्टर कमेटियां बनाकर लोगों को जोड़ रही हैं। पार्टी का कहना है कि पदाधिकारी भी नामित किए जा रहे हैं, जो लोगों को बसपा की नीतियों और विपक्ष की साजिशों से अवगत करा रहे हैं।

पार्टी अध्यक्ष मायावती के निर्देश पर भाईचारा कमटी और ओबीसी कमटी लगातार काम कर रही हैं। पार्टी नेताओं का मानना है कि जिस तरह वर्ष 2007 में भाईचारा कमेटियों के जरिए



समाज के सभी वर्गों के लोगों का गठबंधन स्थापित करते हुए सरकार बनाई गई थी, उसी फार्मूले पर अगले विधानसभा चुनाव की तैयारी करनी है। इसके तहत गांव-गांव जाकर कमेटियों का गठन करना पहली प्राथमिकता है। जिसके लिए हर विधानसभा क्षेत्र में चार टीमें बनाई जा चुकी हैं।

पार्टी का मानना है कि बसपा नेताओं की नहीं, कार्यकर्ताओं की पार्टी है। समाज के सभी वर्गों के आपसी भाईचारे की बदौलत हमने सरकार बनाई है। बसपा सुप्रीमो के निर्देश पर गांव-गांव जाकर कार्यकर्ताओं के जरिए संगठन को मजबूत किया जा रहा है। बसपा ऐसी नर्सरी है, जो नेता बनाती है। पहले बड़ा मुकाम हासिल करने वाले नेता अपने बेटे-बेटियों के चक्र में दूसरे दलों में चले गए थे।

संगठन का विस्तार कर रही है। पार्टी के चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद बिहार चुनाव के बाद यूपी में भी सक्रिय हो सकते हैं। फिलहाल बसपा सुप्रीमो के निर्देश पर आकाश आनंद बिहार चुनाव की तैयारियों में जुटे हैं। जिसके बाद उन्हें यूपी में भी सक्रिय किया जा सकता है। फिलहाल यूपी और उत्तराखंड के संगठन की समीक्षा और उससे जुड़े फैसले बसपा सुप्रीमो खुद ले रही हैं।

बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा, बसपा नेताओं की नहीं, कार्यकर्ताओं की पार्टी है। समाज के सभी वर्गों के आपसी भाईचारे की बदौलत हमने सरकार बनाई है। बसपा सुप्रीमो के निर्देश पर गांव-गांव जाकर कार्यकर्ताओं के जरिए संगठन को मजबूत किया जा रहा है। बसपा ऐसी नर्सरी है, जो नेता बनाती है। पहले बड़ा मुकाम हासिल करने वाले नेता अपने बेटे-बेटियों के चक्र में दूसरे दलों में चले गए थे।



ईरान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का दरवाजा खटखटाया कहा-अमेरिका को अपने हिसाब से जवाब दिया जाएगा

तेहरान, 23 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का दरवाजा खटखटाया है। ईरान के स्थायी प्रतिनिधि और संयुक्त राष्ट्र में राजदूत अमीर सईद इरावानी ने कहा कि तेहरान के पास खुद का बचाव करने और अमेरिका और इजराइल के जबर्दस्त आक्रमण का जवाब देने का वैध अधिकार सुरक्षित है।

ईरान की समाचार एजेंसी मेहर के अनुसार, इरावानी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में 15 सदस्यीय निकाय से ईरान के परमाणु स्थलों पर संयुक्त राज्य अमेरिका के हमले का मुद्दा उठाया। उन्होंने निकाय से कहा कि अमेरिका की आक्रामकता गैरकानूनी कृत्य है। ईरान सिर्फ अपना बचाव कर रहा है।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका इस क्षेत्र में आतंकवाद का समर्थन कर रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान के विदेश मंत्री यूरोपीय नेताओं से बातचीत कर रहे थे। अमेरिकी कार्रवाई ने इस वार्ता को महत्वहीन कर दिया।

ऐसे में ईरान वार्ता की मेज पर कैसे वापस आ सकता है इरावानी ने कहा कि ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के आधार पर संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके प्रॉक्सी इजरायल शासन के खिलाफ खुद का बचाव करने का अपना वैध और पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है।

इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कोर से संबद्ध ईरान की सरकारी संवाद समिति-विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका को ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमलों के परिणामों की पूरी जिम्मेदारी लेनी होगी।

तेहरान की प्रतिक्रिया के के विकल्पों का सहारा लेने का अधिकार है। उन्होंने रविवार को इस्तांबुल में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अमेरिका ने ईरान के परमाणु स्थलों पर हमला करके सभी अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान अपनी संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता से कभी समझौता नहीं करेगा। ईरान के खिलाफ अमेरिका के दावे राजनीतिक हैं। ईरान के आईआरजीसी कुद्स फोर्स के कमांडर शहीद कासिम सुलेमानी की हत्या आतंकवादी कृत्य है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत के पास अब केवल 2 ऑप्शन हैं, अमित शाह के बयान से बौखलाए बिलावल ने दी युद्ध की धमकी

पाकिस्तान, 23 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी ने भारत को एक और खोखली धमकी देते हुए कहा कि अगर भारत ने सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के तहत इस्लामाबाद को पानी का उचित हिस्सा देने से इनकार कर दिया तो उनका देश युद्ध की ओर बढ़ जाएगा। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (झड़झ) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने नेशनल असेंबली सत्र के दौरान भारत पर निशाना साधा। बिलावल ने इजराइल के ईरान पर हमले की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से की। पहलूगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 1960 के समझौते को स्थगित कर दिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले सप्ताह ऐतिहासिक समझौते को कभी बहाल न करने की घोषणा की थी। बिलावल की यह टिप्पणी पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय द्वारा शाह की अंतराष्ट्रीय समझौतों के प्रति बेशर्मी से उपेक्षा की आलोचना के दो दिन बाद आई है। बिलावल भुट्टो ने संसद में दिए भाषण में समझौते को निलंबित करने के भारत के फैसले को खारिज किया और पाकिस्तान के हिस्से का पानी लेने की धमकी दी। उन्होंने सिंधु बेसिन की छह नदियों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत के पास दो विकल्प हैं: पानी को उचित तरीके से साझा करें या हम सभी छह नदियों से पानी अपने पास पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि अभी भी प्रचलन में है क्योंकि समझौते को स्थगित नहीं रखा जा सकता। उन्होंने कहा कि सिंधु (सिंधु नदी) पर हमला और भारत का दावा कि सिंधु जल संधि समाप्त हो गई है और स्थगित है। सबसे पहले, यह अवैध है, क्योंकि सिंधु जल संधि स्थगित नहीं है, यह पाकिस्तान और भारत पर बाध्यकारी है, लेकिन पानी रोकने की धमकी ही संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार अवैध है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख बिलावल भुट्टो ने भी धमकी दी कि अगर भारत ने धमकी पर अमल करने का फैसला किया तो हमें फिर से युद्ध छेड़ना पड़ेगा।

नेपाल के वामपंथी दलों ने संयुक्त वक्तव्य में ईरान पर हमले के लिए अमेरिका की निंदा की



काठमांडू। नेपाल के वामपंथी दलों ने संयुक्त वक्तव्य में ईरान पर हमले के लिए अमेरिका की निंदा की है। संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है कि अमेरिकी साम्राज्यवाद ने विश्व शांति पर हमला किया। संयुक्त वक्तव्य में अमेरिका के साथ इजराइल की भी निंदा की गई है। इसमें कहा गया है कि इजराइल अपनी विस्तारवादी नीति नहीं छोड़ रहा है। यह वक्तव्य नेपाल की माओवादी पार्टी सहित राष्ट्रीय जनमोर्चा, नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी, एकीकृत समाजवादी पार्टी, क्रांतिकारी कम्युनिष्ट पार्टी जैसे एक दर्जन दलों ने जारी किया है। वामपंथी दलों ने नेपाल सरकार से हमले के विरोध में बयान जारी करने की मांग की है। साथ ही संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय निकायों से अमेरिका पर दबाव बनाकर हस्तक्षेप करने की मांग की है।

मुस्लिम देशों ने चेताया कहा- ईरान दहला तो खाड़ी में पानी के लिए मचेगा हाहाकार

तेहरान। जंग के परिणाम कई तरह से दिखाई देते हैं। तबाह होते शहर और लाशें तो सभी कोई देती हैं, लेकिन प्रकृति को होने वाला नुकसान तत्काल दिखाई नहीं देता है। जब तक दिखता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। ईरान और इजरायल के बीच जारी युद्ध में अमेरिका की एंटी ने पूरी दुनिया में चिंता में डाल दिया है। कतार ने चेतावनी जारी कर दी है कि अगर ईरान के न्यूक्लियर प्लान्ट पर हमला हुआ हो, तो खाड़ी क्षेत्र से पानी खत्म हो जाएगा। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने के मकसद से इजरायल की ओर से शुरू किए गए हमलों को मजबूती देने अमेरिका ने रविवार तड़के तीन ईरानी परमाणु केंद्रों पर हमले किए। कतार के प्रधानमंत्री मोहम्मद अल थानी का कहना है कि अगर न्यूक्लियर प्लान्ट पर हमला हुआ, तो पानी की सलाई असुरक्षित हो सकती है। करीब तीन महीने पहले एक इंटरव्यू में उन्होंने यह बात कही थी। उन्होंने कहा था कि खाड़ी के देश फारस की खाड़ी से आने वाले पानी पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा था, पानी पूरी तरह से दुषित हो जाएगा। ना पानी होगा, ना मछली कुछ नहीं। इसमें जीवन ही नहीं रहेगा। उन्होंने कहा था, हमारे लोगों के लिए हम जो पानी का इस्तेमाल करते हैं, वो डिसेलिनेशन (नमक हटाकर पानी इंसान के पीने लायक बनाने की प्रक्रिया) से आता है। हमारे पास नदियां नहीं हैं और हमारे पास जलाशय नहीं हैं। देश में तीन दिन में पानी खत्म हो जाएगा। यं हालात सिर्फ कतार नहीं, बल्कि कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात के लिए भी है।

तेहरान और तेल अवीव में मिसाइल हमला, अमेरिकी लड़ाकू विमान काम तमाम कर ईरान से लौटे, ट्रंप और स्टारमर ने फोन पर की बात

तेहरान, 23 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के लड़ाकू विमान ईरान में काम तमाम कर वापस लौट गए। इस बीच आज सुबह इजराइल और तेहरान ने एक-दूसरे की सरजमीं पर मिसाइल हमला किया है। ईरान ने तेहरान में हवाई सुरक्षा चाक-चौबंद की है। इजराइल में मिसाइल हमले से पहले सायरन बजने से लोग घरों से निकलकर सुरक्षित आश्रय स्थलों की तरफ चले गए। बताया गया है कि मध्य पूर्व संकट पर अमेरिका ने ब्रिटेन से बात की है। खबर के अनुसार, अर्ध-आधिकारिक ईरानी मीडिया आउटलेट मेहर न्यूज एजेंसी ने कहा कि ईरान ने सोमवार सुबह राजधानी तेहरान पर दोबारा हवाई सुरक्षा सक्रिय की है।

इससे कुछ समय पहले ईरान ने इजराइल पर मिसाइल दागी। इसे इजराइल की हवाई सुरक्षा ने रोक दिया। इजराइली सेना का कहना है कि ईरान ने इजराइल पर मिसाइलों की बौछार की है।

इजराइल की राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा सेवा मैगन डेविड एडोम के प्रवक्ता ने कहा कि हॉटलाइन पर लोगों के घायल होने की कोई कॉल नहीं मिली है। एक इजराइली अधिकारी ने कहा कि ईरान ने केवल एक मिसाइल दागी। उसे निष्क्रिय कर दिया गया। एक वीडियो में ईरानी मिसाइल यरशलम के आसमान पर नजर आ रही है।

इस बीच जानकारी आ रही है कि इजराइली सेना ने तेहरान के दक्षिण-पूर्व में स्थित एक बड़े सैन्य परिसर परचिन पर हमला किया है। उधर, ईरान में ऑपरेशन मिडनाइट हैमर पूरा करने के बाद मिसौरी में एक अमेरिकी बेस पर एक बी-2 स्ट्रीथ बॉम्बर को लौटते देखा गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार शाम कहा



था कि ईरान के मिशन पर गए बी-2 स्ट्रीथ बॉम्बर पायलट सुरक्षित वापस लौट आए हैं। सनद रहे इस अभूतपूर्व अमेरिकी ऑपरेशन में सात स्ट्रीथ बी-2 बॉम्बर शामिल थे। कुल मिलाकर, 125 से अधिक लड़ाकू विमान शामिल थे। सैन्य विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी ने ईरान की भूमिगत फोर्टों परमाणु सुविधा को नष्ट कर दिया है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कौर स्टारमर के कार्यालय

डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि ट्रंप ने रविवार को ब्रिटिश प्रधानमंत्री से मध्य पूर्व संकट के बारे में बात की। डाउनिंग स्ट्रीट के बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने मध्य पूर्व की स्थिति पर चर्चा की और ईरान के परमाणु कार्यक्रम से अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को होने वाले गंभीर खतरे को दोहराया है। बयान में कहा गया है कि ट्रंप और स्टारमर जल्द ही आने वाले दिनों में ईरान के संपर्क में रहेंगे।

हिज्बुल्लाह ने ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हमलों की निंदा की



लेबनान स्थित ईरान समर्थित सशस्त्र गुट हिज्बुल्लाह ने अमेरिका द्वारा ईरान के प्रमुख परमाणु ठिकानों पर किए गए हवाई हमलों की तीव्र निंदा की है। संगठन ने इसे शांतिपूर्ण परमाणु प्रतिष्ठानों पर बर्बर और विश्वासघाती हमला करार दिया। हिज्बुल्लाह ने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह हमला एक लापरवाह और खतरनाक उकसावे की कार्रवाई है, जो पूरे क्षेत्र में युद्ध के दायरे को और बढ़ा सकती है। संगठन ने ईरान और उसकी नेतृत्व व्यवस्था के साथ पूर्ण एकजुटता व्यक्त की है। हिज्बुल्लाह को अक्टूबर 2023 से इजराइली सैन्य अभियानों के चलते भारी नुकसान झेलना पड़ा है, जिससे उसकी सैन्य क्षमता कमजोर हुई है। इसके बावजूद, संगठन ने अमेरिका के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए ईरान के साथ अपने गठजोड़ को दोहराया है। इस बयान को पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच एक और गंभीर चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है, जहां पहले ही इजराइल-ईरान संघर्ष के साथ अमेरिका की सैन्य भागीदारी हालात को विस्फोटक बना रही है।

चीन ने काटी कन्नी: ईरान के लिए अमेरिका के सामने नहीं आएगा ड्रैगन

बीजिंग, 22 जून (एजेंसियां)।

चीन ने अमेरिका के ईरान पर हालिया हमलों की आलोचना तो की है लेकिन उसका रुख साफ तौर पर स्वार्थी और सतर्क दिखाई देता है। इस हमले की आलोचना करते हुए चीन ने कहा कि अमेरिका ने ईरान की परमाणु सुविधाओं पर हमले कर अपनी वैश्विक विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाया है। बीजिंग ने इन हमलों को अंतरराष्ट्रीय परमाणु अप्रसार व्यवस्था के लिए खतरा बताया और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में इस मुद्दे को उठाया। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि चीन का यह कदम सिर्फ दिखावटी है और वह ठोस कार्रवाई से बच रहा है। वह अमेरिका और इजरायल के खिलाफ ईरान को सोधे तौर पर कोई सैन्य सहयोग देने की बात नहीं कर रहा है। चीन का यह रुख नया नहीं है। अतीत में भी वह क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर तटस्थ रहकर अपने हित साधता रहा है। उदाहरण के लिए रूस-यूक्रेन संघर्ष में भी चीन ने दोनों पक्षों के साथ संतुलन बनाए रखा और किसी एक का खुलकर समर्थन नहीं किया। ईरान के मामले में भी उसका यही रुख दिख रहा है। वह न तो ईरान के साथ पूरी तरह



खड़ा हो रहा है और न ही अमेरिका के खिलाफ खुलकर सामने आ रहा है। इसकी बजाय वह मध्यस्थता की बात कर अपनी छवि को एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में पेश करना चाहता है। चीन और ईरान के बीच गहरे आर्थिक और कूटनीतिक रिश्ते हैं। चीन, ईरान से बड़ी मात्रा में तेल आयात करता है, जो उसकी ऊर्जा जरूरतों का अहम हिस्सा है।

दोनों देश संयुक्त सैन्य अभ्यास भी करते हैं और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर एक-दूसरे का समर्थन करते हैं।

इसके बावजूद चीन ने अमेरिका के खिलाफ कोई सख्त कदम नहीं उठाया। उसने केवल मौखिक निंदा की और मध्यस्थता की पेशकश कर अपनी छवि को चमकाने की कोशिश की। यह रुख चीन की उस रणनीति की दर्शाता है, जिसमें वह न तो ईरान के साथ अपने रिश्तों को पूरी तरह जोखिम में डालना चाहता है और न ही अमेरिका के साथ टकराव मोल लेना चाहता है। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन की यह दोहरी नीति उसके भू-राजनीतिक और आर्थिक हितों से प्रेरित है।

ईरान में नेतृत्व परिवर्तन की संभावना से ट्रंप ने नहीं किया इनकार

वाशिंगटन, 23 जून (एजेंसियां)।

ईरान ने अब तक यह नहीं साफ किया है कि अमेरिका के लड़ाकू विमानों ने उसे किन-किन परमाणु सुविधा केंद्र को नष्ट किया है। अमेरिका के सोधे लड़ाई में कूदन से वह एक कोने में घिरा नजर आ रहा है। इस बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नेतृत्व में बदलाव का समर्थन करने से इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि इस समय अधिकारी परमाणु स्थलों पर हमलों का आकलन कर रहे हैं।

इस घटनाक्रम का विश्लेषण किया है। इसमें कहा कि अमेरिका के ईरान के सबसे मजबूत परमाणु स्थलों पर हमला करने के बाद अब शासन के मौलवी नेताओं के सामने एक खतरनाक विकल्प है। मौलवी नेता अमेरिका पर पलटवार करें और दो दुश्मनों (इजराइल और अमेरिका) के साथ युद्ध को बढ़ाने का जोखिम उठाएं या परमाणु वार्ता पर वापस लौटें। अखबार का कहना है कि परमाणु वार्ता पर वापस लौटने का मतलब यह होगा कि उन्हें संभवतः परमाणु संवर्धन और उनके



बैलिस्टिक-मिसाइल शस्त्रागार पर रियायतें देनी होंगी। यही देश की संप्रभुता के दो स्तंभ हैं।

ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने अमेरिकी हमले के बाद अपनी पहली टिप्पणी में अमेरिका का उल्लेख नहीं किया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में इजराइल पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि इजराइल ने एक गंभीर गलती की और इसकी उसे अभी सजा मिल रही है। इजराइल ने ईरान के सैन्य ढांचे के खिलाफ और हमलों की घोषणा की है। ईरान ने इजराइल की ओर एक और मिसाइल हमला किया है।

यूरोप के नेताओं ने ईरान से इस तरह से जवाब न देने का आग्रह किया जिससे क्षेत्र में अस्थिरता पैदा हो। इजराइल के हालिया सैन्य हमलों से ईरान के मिसाइल शस्त्रागार और सैन्य बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। बावजूद इसके ईरान के पास साइबर हमले और संभवतः आतंकवादी प्रॉक्सी, या होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल शिपिंग को बाधित करने जैसे जवाबी हमले करने के अन्य

साधन हैं। ईरान कैसे जवाब देगा, इस पर अनिश्चितता ने स्टॉक और तेल बाजारों को किनारे कर दिया, जिससे अमेरिकी वायदा थोड़ा नीचे चला गया। मैक्सार टेक्नोलॉजीज के उपग्रह चित्रों में भूमिगत फोर्टों यूरेनियम-संवर्धन परिसर के ऊपर एक रिज में कई बड़े छेद दिखाई दिए हैं और प्रवेश द्वार मलबे से आवरुद्ध हो गया है। सेंट्रोफ्यूज और अन्य उपकरणों का क्या हुआ, यह संभवतः अभी पता चलना जब अंतरराष्ट्रीय निरीक्षक साइट तक पहुंच पाएंगे। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि वह मॉस्को जाने की योजना बना रहे हैं और आगे के परामर्श के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलेंगे। अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने संकेत दिया कि ईरान का समृद्ध यूरेनियम भंडार अभी भी बरकरार है और ईरान के नियंत्रण में है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल ईरान के परमाणु खतरे और बैलिस्टिक मिसाइल खतरे को नष्ट करने की दिशा में प्रगति कर रहा है।



भारत ने पाकिस्तान से सैंधा नमक के आयात पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)।

भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान से सैंधा नमक के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस कदम ने पाकिस्तान के नमक व्यापार को गहरा झटका दिया है, क्योंकि भारत उनके लिए सबसे बड़ा और स्थायी बाजार था। अब पाकिस्तान को अपने नमक को चीन और अन्य देशों में निर्यात करना पड़ रहा है, लेकिन भारत जैसा लाभ मिलना मुश्किल हो गया है। पाकिस्तान के पंजाब में खेवड़ा की सैंधा नमक खदान दुनिया की सबसे बड़ी नमक खदानों में से एक है। यहां कई प्रोसेसिंग यूनिट्स हर साल लाखों टन नमक का उत्पादन करती हैं, जिसमें

चीन और अन्य देशों में करना पड़ रहा है निर्यात

भारत सबसे बड़ा ग्राहक था। 2024 में लगभग 3.5 लाख टन नमक भारत को निर्यात हुआ था, जिसकी कीमत 12 करोड़ डॉलर के करीब थी। भारत के बैंन के बाद यह बाजार पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे कारोबारियों को भारी नुकसान हुआ है। पाकिस्तान ने चीन को अपने नमक निर्यात में तेजी लाने की कोशिश की है। 2025 की पहली तिमाही में चीन को नमक निर्यात 40 फीसदी बढ़कर 136.4 करोड़ किलो हो गया, जिसकी कीमत लगभग 18.3

मिड-साइज़ लग्जरी कार एस 90 की बिक्री बंद

नई दिल्ली। स्वीडिश ऑटो कंपनी वोल्वो ने अपनी मिड-साइज़ लग्जरी कार एस 90 की बिक्री बंद कर दी है। अक्टूबर 2021 में फेसलिफ्ट वर्जन के रूप में लॉन्च की गई वाल्वो एस 90 केवल बी5 माइल्ड-हाइब्रिड पेट्रोल वैरिएंट में आती थी, जिसमें 2.0 लीटर चार-सिलेंडर इंजन 250 हॉर्सपावर की ताकत देता था। इस कार में बोवर्स एंड विल्किस साउंड सिस्टम, 360-डिग्री कैमरा, मसाजिंग सीट्स और अडास जैसी कई हाईटेक सुविधाएं थीं, लेकिन बीएमडब्ल्यू और मर्सडीज बेंज़ जैसे प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले यह फीचर्स और इंजन विकल्पों में पिछड़ गई। समय के साथ इस मॉडल की बिक्री में गिरावट आई, और तकनीकी अपडेट की कमी ने इसे और कमजोर किया। वोल्वो ने अब भारतीय बाजार में अपनी रणनीति बदलते हुए एसयूवी और इलेक्ट्रिक वाहनों पर फोकस किया है। कंपनी 2025 तक ऑल-इलेक्ट्रिक एसयूवी ईएक्स 30 लॉन्च करने की योजना बना रही है और 2026 में प्लेगशिप मॉडल ईएक्स 90 भी पेश किया जाएगा।

लाख डॉलर थी। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना ​​​​है कि चीन का बाजार स्थायी नहीं है क्योंकि चीन खुद भी नमक उत्पादन में सक्षम है और भारत जैसा बड़ा मुनाफा देना मुश्किल है।

न्यूज़ ब्रीफ

व्यापार लाइसेंसिंग प्रक्रिया से दिल्ली पुलिस को हटाने का निर्णय
ऐतिहासिक: खंडेलवाल



नई दिल्ली। वांदनी चौक से सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (केट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने सोमवार को विभिन्न तरह के व्यापार को लाइसेंसिंग एवं एनओसी प्रक्रिया से दिल्ली पुलिस को हटाने के फैसले का स्वागत किया है। खंडेलवाल ने कहा कि इससे दिल्ली के 4 लाख के लगभग छोटे बड़े व्यवसायों को लाभ मिलेगा। प्रवीण खंडेलवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के इस निर्णय को ऐतिहासिक और दूरदर्शी बताते हुए कहा कि यह व्यवसाय सुगमता की दिशा में एक शानदार कदम है। व्यापार लाइसेंसिंग प्रणाली से पुलिस की भूमिका को समाप्त करना पारदर्शी, भ्रष्टाचार-मुक्त और प्रभावी प्रशासन की ओर बढ़ने जैसा है, जिससे उद्यमियों को सशक्त बनाया जाएगा और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री का यह निर्णय न केवल अनावश्यक नौकरशाही बाधाओं को समाप्त करेगा, बल्कि पुलिस को भी उनके मुख्य, कर्तव्यों कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराध रोकने और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाएगा। सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा-दिल्ली के 4 लाख छोटे बड़े व्यवसायों को मिलेगा लाभ संशोधित व्यवस्था के अनुसार होटल, गेस्ट हाउस, रेस्टोरेंट, मोटेल, स्विमिंग पूल, वीडियो गेम पार्लर, डिस्कोथेक, ऑडिटोरियम और मनोरंजन पार्क जैसे व्यवसायों के लाइसेंस और एनओसी अब शहरी स्थानीय निकायों से जारी किए जाएंगे। व्यापारिक समुदाय पुलिस अधीनस्थ लाइसेंस प्रणाली में देरी और भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़ी इन मांगों को लंबे समय से उठा रहा था।

ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद कच्चे तेल का भाव 2 फीसदी से ज्यादा उछला



नई दिल्ली। ईरान में परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले का वैश्विक बाजार पर व्यापक असर देखने को मिल रहा है। अमेरिका की ओर से सप्ताहांत ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोमवार को कच्चे तेल के भाव में 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी दर्ज की गई है, जो 80 डॉलर प्रति डॉलर के करीब पहुंच गया है। आने वाले समय में इसका व्यापक असर भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतों में 2 फीसदी से अधिक की तेजी दिखाई है। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेट क्रूड की कीमत 1.92 डॉलर यानी 2.49 फीसदी उछलकर 78.93 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड (डब्ल्यूटीआई) 1.89 डॉलर यानी 2.56 फीसदी बढ़कर 75.73 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। जानकारी का कहना है कि ईरान की संसद ने हाल ही में अमेरिकी हवाई हमलों के जवाब में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का प्रस्ताव पास किया है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बेंगलुरु में 1,450 से अधिक मकान बेचे



मुंबई। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बेंगलुरु में अपनी नई परियोजना में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक में 1,450 से अधिक फ्लैट की बिक्री की है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने परियोजना के पहले चरण के पेश होने के बाद 2,000 करोड़ रुपये से अधिक में फ्लैट बेचे। यह परियोजना 'बाका' बेंगलुरु के देवनाहल्ली में गोदरेज एमएसआर सिटी में स्थित है। इस परियोजना को अप्रैल 2025 में पेश किया गया था। कंपनी ने परियोजना के पहले चरण में 22 लाख से अधिक वर्ग फुट में बने 1,450 से अधिक फ्लैट की बिक्री की। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक अधिककारी ने कहा कि इस टाउनशिप परियोजना गोदरेज एमएसआर सिटी में करीब 56 लाख वर्ग फुट की एक विकास योग्य क्षमता है जिसे कंपनी आने वाले वर्षों में बेचने की योजना बना रही है। गोदरेज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और उसमें अमेरिका की एंट्री की वजह से ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए थे। डाउ जॉन्स पयूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। वहीं एशियाई बाजारों में बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,967.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डैक ने 98.86 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स पयूचर्स फिलहाल 133.04 अंक यानी 0.32 प्रतिशत लुढ़क कर 42,073.78 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती से कारोबार करने के बाद अंतिम समय में हुई बिकवाली के कारण मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,774.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसई इंडेक्स ने 0.48 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,589.66 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएक्स इंडेक्स 293.17 अंक यानी 1.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,350.55 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के 9 बाजार में से 8 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। वहीं सिर्फ एक सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। एशियाई बाजारों में इकलौता शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,365.07 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 226 अंक यानी 0.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,903 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 153.42 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 38,249.81 के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड



डीजीसीए ने खराब मौसम में फ्लाइट ऑपरेशन के बदले नियम

नई दिल्ली। देश की विमानन सुरक्षा को और मजबूती प्रदान करने के लिए एविएशन रेगुलेटर डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने खराब मौसम में फ्लाइट ऑपरेशन को लेकर एयरलाइन कंपनियों के लिए नए गाइडलाइंस जारी की हैं। नए नियमों के मुताबिक फ्लाइट का टाइम टेबल सुरक्षा से ज्यादा अहम नहीं है। पायलट्स जरूरत पड़ने पर फ्लाइट का रूट बदल सकता है। शेड्यूल और नॉन-शेड्यूल एयरलाइन कंपनियों को अपडेटेड ऑपरेशन स्कूल्टर जारी करते हुए नियामक ने कहा कि पायलटों को इंस्ट्रूमेंट से दृश्यता की जांच करनी चाहिए, ताकि खराब मौसम या बारिश में लैंडिंग से पहले सही फैसला लिया जा सके। गंभीर नरवे या रात में बारिश के दौरान होने वाले भ्रम से बचने के लिए सटीक लैंडिंग आकलन जरूरी होगा। यह स्कूल्टर केदारनाथ रीजन में हाल ही में हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं और पिछले महीने श्रीनगर जा रही इंडिगो की फ्लाइट में आए टर्बुलेंस को देखते हुए जारी किया गया है। ऑपरेशन संबंधी अनिश्चितता पर वलाइमेंट वेंज के बढ़ते प्रभाव का हवाला देते हुए डीजीसीए ने फ्लाइट क्रू को बहुत ज्यादा सतर्कता बनाए रखने की सलाह दी है।

इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 344.61 अंक यानी 1.56 प्रतिशत टूट कर 21,701.13 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 96.32 अंक यानी 1.39 प्रतिशत फिसल कर 6,810.82 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.87

प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,058.31 अंक के स्तर पर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.41 प्रतिशत लुढ़क कर 3,867.48 अंक के स्तर पर, कोम्पो इंडेक्स 0.41 प्रतिशत टूट कर 3,009.48 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 23,521.72 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।



इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज का आईपीओ 26 जून को खुलेगा, प्राइस बैंड 105-111 रुपये प्रति शेयर

मुंबई, 23 जून (एजेंसियां)।

फसल सुरक्षा उत्पाद बनाने वाली कंपनी इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 26 जून को खुलेगा और 30 जून को बंद होगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 105-111 रुपये प्रति शेयर तय किया है।

इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज लिमिटेड ने सोमवार को आईपीओ प्रेस वरचुअल मीट में बताया कि 10 रुपये अंकित मूल्य वाले अपने पहले आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 105-111 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने कहा कि ये आईपीओ 26 जून को खुलेगा और 30 जून को बंद होगा। इसमें निवेश करने के लिए बड़े (एंकर) निवेशक 25 जून को बोली लगा पाएंगे। यह कंपनी का पहला आईपीओ है। इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज लिमिटेड के इस आईपीओ में 160 करोड़ रुपये तक के नए शेयर



जारी करने तथा ओम प्रकाश अग्रवाल (एचयूएफ) के 15,40,960 इक्विटी शेयरों और संजय अग्रवाल (एचयूएफ) द्वारा 20,62,643 इक्विटी शेयरों यानी कुल 36.03 लाख शेयरों की बिक्री की पेशकश का मिश्रण है। निवेशक इसके लिए न्यूनतम 135 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 135 इक्विटी शेयरों की फसल पर पानी का संकट मंडरा रहा है। उन्होंने कहा कि स्थिति चिंताजनक है लेकिन नियंत्रण से बाहर नहीं है। थोड़ी सी बारिश से नमी वापस आ सकती है और फसल को फायदा हो सकता है।

लौड मैनेजर हैं और बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू का रजिस्ट्रार हैं। कंपनी की योजना इस आईपीओ से हासिल राशि में से 65 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कार्बोशिल पूंजी आवश्यकताओं के वित्तपोषण, 34.12 करोड़ रुपये ऋण भुगतान और 14 करोड़ रुपये का उपयोग पूंजीगत व्यय एवं सामान्य कॉर्पोरेट कार्यों के लिए किया जाएगा।



ऑरेकल के कोफाउंडर लैरी दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स बने

फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलियनेयर्स लिस्ट के मुताबिक दुनिया की सबसे बड़ी डेटाबेस सॉफ्टवेयर कंपनियों में से एक ऑरेकल के को-फाउंडर लैरी एलिसन ने एक हफ्ते में करीब 4 करोड़ डॉलर (3.4 लाख करोड़) जोड़ लिए हैं। 250.9 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ एलिसन ने अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस को पछाड़कर फिर दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स बन गए हैं। इससे पहले के हफ्ते में भी वह अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर थे। 80 वर्षीय एलिसन ने जेफ बेजोस (229 अरब डॉलर) और मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग (240 अरब डॉलर) को पीछे छोड़ दिया। दुनिया के सबसे अमीर आदमी एलन मस्क (405.8 अरब डॉलर) अभी भी पहले पायदान पर हैं। एलिसन की संपत्ति में यह तेजी ऑरेकल के शानदार तिमाही नतीजों के बाद कंपनी के शेयरों में आए उछाल की वजह से हुआ है। कंपनी ने 15.9 अरब की कमाई दिखाई और 1.70 डॉलर प्रति शेयर के हिसाब से एडजस्टेड एंजिफिट पोस्ट किया। एक साप्ताह में क्रमशः 3.4 लाख करोड़ कंपनी अब अमेरिका में एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है। आईएमएफ के 2025 के पूर्वानुमान के अनुसार लैरी एलिसन की संपत्ति से कम जीडीपी वाले कई देशों से ज्यादा है।

भारत में पिछले 14 वर्षों में वैश्विक आयात पर निर्भरता 11 फीसदी से घटकर 4 हुई

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)।

भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनता जा रहा है। पारंपरिक रूप से रक्षा उपकरणों के लिए विदेशी खरीद पर निर्भर रहने वाले भारत ने पिछले 14 वर्षों में रक्षा आयात पर अपनी निर्भरता काफी कम कर दी है। यह देश की रक्षा रणनीति और नीति में एक बड़ा बदलाव है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत 2010 में रक्षा उपकरणों का सबसे बड़ा आयातक था लेकिन इस मामले में 2024 में यह चौथे स्थान पर खिसक गया। 2010 में भारत दुनिया के कुल रक्षा आयात का 11 प्रतिशत हिस्सा लिया, जिससे यह वैश्विक स्तर पर शीर्ष आयातक बन गया था। 9 प्रतिशत के साथ पाकिस्तान, 6 प्रतिशत पर ऑस्ट्रेलिया और 5 प्रतिशत के साथ दक्षिण कोरिया भी इस सूची में शामिल रहे। सऊदी अरब, संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर और चीन जैसे देशों में



मराठवाड़ा में वाष्पीकरण, कम बारिश से मक्का की खेती हो सकती है प्रभावित: अधिकारी

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में अनियमित बारिश और नमी के वाष्पीकरण से मक्का की फसल पर असर पड़ सकता है। एक कृषि अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। मराठवाड़ा जिले छत्रपति संभाजीनगर, जालना, बीड, हिंगोली, धारगिरी, लातूर, परभणी और नांदेड़ में इस वर्ष करीब 2,56,650.38 हेक्टेयर भूमि पर मक्का (मकई) की खेती किए जाने का अनुमान है। कृषि विभाग की रिपोर्ट के अनुसार 19 जून तक 98,891.20 हेक्टेयर में बुवाई पूरी हो चुकी थी। जिला कृषि अधीक्षक अधिकारी ने कहा कि मक्का जैसी फसल पर नमी और पानी का असर पड़ सकता है। छत्रपति संभाजीनगर और मराठवाड़ा के अन्य भागों में मक्का की खेती का रकबा बढ़ गया है, जिससे करीब 50,000 हेक्टेयर में कपास की फसल की जगह इसकी खेती की गई है। क्षेत्र के कुछ इलाकों में नमी कम हो रही है, इसलिए मक्के की फसल पर पानी का संकट मंडरा रहा है। उन्होंने कहा कि स्थिति चिंताजनक है लेकिन नियंत्रण से बाहर नहीं है। थोड़ी सी बारिश से नमी वापस आ सकती है और फसल को फायदा हो सकता है।

प्रत्येक की हिस्सेदारी 4 प्रतिशत थी, जबकि अल्जीरिया और पुर्तगाल प्रत्येक की 3 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। 2024 के आंकड़ों के अनुसार यूक्रेन रक्षा उपकरणों का दुनिया का सबसे

बड़ा आयातक बन गया है। इसकी वैश्विक आयात में 18 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस तीव्र वृद्धि का कारण रूस-यूक्रेन युद्ध है, यूक्रेन की सैन्य उपकरणों की मांग को बढ़े पैमाने पर बढ़ा दिया है। पोलैंड वैश्विक रक्षा आयात में 5 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे सबसे बड़े

आयातक के रूप में उभरा है। इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका 4 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत अब कतर, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया के साथ चौथे स्थान पर है, जिनमें से प्रत्येक की वैश्विक आयात में 4 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

आषाढ गुप्त नवरात्रि 26 से

वृषभ राशि वाले इन राशियों के साथ शादी में हमेशा रहेंगे खुश

नजर से बचने के आसान उपाय

जुलाई के महीने में यह दो बड़े ग्रह चलेंगे त्रिकी चाल, इन राशियों की चांदी

मिलेगा।

मिथुन राशि – मिथुन राशि वालों को इन दो ग्रहों की ब्रकी चाल से लाभ होगा। करियर में ग्रोथ होगी। सोशल लेवल पर मान-सम्मान मिलेगा। माता-पिता की सेवा करें। आपकी वाणी से आपको लाभ होगा। आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

कन्या राशि – कन्या राशि वालों को लाभ मिलेगा। इस दौरान आपकी आर्थिक स्थिति पहले के मुकाबले बेहतर होगी। धन लाभ हो सकता है। अनावश्यक खर्चों से बचें।



तहत भारतीय सेना द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस एवं शौर्य के लिए सैन्य अधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया। इस अवसर पर जिला कुश्ती संघ के पदाधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री को प्रदेश में कुश्ती खेल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सुझाव दिए, जिस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस संबंध में सकारात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सामाजिक न्याय और एवं अधिकारिता, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, प्रशुपालन, जयपुर विकास परिषद, प्राथमिक, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनोरंजन, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परियोजनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। इस अवसर पर अडी संख्य में जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

अगस्त में कर्नाटक के मुख्यमंत्री शाहपुर पेयजल परियोजना का करेंगे उद्घाटन

यादगिर/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के शाहपुर शहर के लिए 70 करोड़ की लागत से शुरू की जा रही एक बहुप्रतीक्षित पेयजल परियोजना का उद्घाटन अगस्त में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा किया जा सकता है। भीमा नदी पर बने सत्रित पुल-सह-बैराज से शाहपुर शहर को पेयजल उपलब्ध कराने की परियोजना लक्ष्य पूरी हो चुकी है और अगस्त के अंत में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा इसका उद्घाटन किए जाने की उम्मीद है। पेयजल आपूर्ति एवं सीवेज बोर्ड द्वारा क्रियान्वित इस परियोजना का उद्देश्य 2050 तक शाहपुर की अनुमानित 1.51 लाख आबादी को पेयजल उपलब्ध कराना है। इस परियोजना में भीमा नदी से शहर में स्थित एक फिल्टर बेड तक 18 किलोमीटर लंबी



पाइपलाइन बिछाना शामिल है, जिसकी अनुमानित लागत 70 करोड़ है। शाहपुर शहर के अलावा, दो गांवों - इंगलागी और मदनाल - को भी इस परियोजना से पानी मिलेगा। लघु उद्योग मंत्री और जिला प्रभारी शरणबसप्पा दर्शनपुर ने भीमा नदी के पास चल रहे

काम का निरीक्षण करने के बाद मीडिया को बताया अमृत 2.0 परियोजना के तहत अलग-अलग क्षेत्रों में स्थापित 15 लाख लीटर क्षमता वाले दो टैंकों में पानी संग्रहित करने के बाद प्रत्येक घर में नल के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जाएगी। अगले दो सप्ताह में परियोजना के पूर्ण होने

के बाद अधिकारी औपचारिक जांच करने के लिए तैयार हैं। इस जांच में मानकों का पालन और समुदाय को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में समग्र प्रभावशीलता शामिल होने की संभावना है। दर्शनपुर ने कहा मुख्यमंत्री इस परियोजना का उद्घाटन करेंगे

क्योंकि यह शाहपुर शहर के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण विकास कार्य होगा, जैसा कि वादा किया गया था। तालुक के लिए भविष्य की परियोजनाओं में 16 करोड़ की लागत से प्रजा सौधा, 292 करोड़ की लागत से जल निकासी, 16 करोड़ की लागत से उक्किनल और सिरवाल में मोर-राजी देसाई आवासीय विद्यालय, 21 करोड़ की लागत से बीआर अंबेडकर आवासीय विद्यालय और 9 करोड़ की लागत से अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास, 8 करोड़ की लागत से बालकों के लिए आवासीय विद्यालय, 4 करोड़ की लागत से स्कूल के कमरे और सागर गांव में 2 करोड़ की लागत से एक परिसर की दीवार शामिल है। इन परियोजनाओं को जल्द ही क्रियान्वित किया जाएगा।

मेंगलूर युवक आईआईटी बॉम्बे में बिना अनुमति के प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार

मेंगलूर/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक ऐसी घटना में जिसने संकाय और सुरक्षा अधिकारियों को हैरान कर दिया, मेंगलूर के 22 वर्षीय व्यक्ति बिलाल तेली को प्रतिष्ठित आईआईटी बॉम्बे परिसर में अनधिकृत प्रवेश और लंबे समय तक रहने के लिए गिरफ्तार किया गया है, जहां उसने कथित तौर पर बिना किसी नामांकन या आधिकारिक मंजूरी के व्याख्यानों में भाग लिया। रिपोर्ट के अनुसार, तेली ने 4 जून, 2023 को परिसर में प्रवेश किया और दावा किया कि वह एक दिवसीय अध्ययन कार्यक्रम में भाग लेने आया है। हालांकि, इस यात्रा ने एक विचित्र मोड़ ले लिया जब उसने परिसर में ही रहने का फैसला किया, इंजीनियरिंग कक्षाओं में घुस गया और कई दिनों तक बिना किसी पहचान के घूमता रहा। स्थिति तब सामने आई जब एक प्रोफेसर ने उससे पूछताछ की और उसका पहचान प्रमाण मांगा। पहचान प्रमाण दिखाने में असमर्थ होने पर तेली



मौके से भाग गया, जिसके बाद तत्काल सुरक्षा बढ़ा दी गई। सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा करने के बाद, आईआईटी बॉम्बे सुरक्षा ने 19 जून को तेली का पता लगाने और उसे हिरासत में लेने में कामयाबी हासिल की, उसे एक बार फिर एक व्याख्यान कक्ष के अंदर देखा गया। जोन एक्स के डीसीपी दत्ता नलवाडे ने पुष्टि की कि तेली के पास परिसर में रहने या अध्ययन करने का कोई अधिकार नहीं था। उन्होंने कहा उसने दावा किया कि वह एक छोटे कार्यक्रम के लिए आया था, लेकिन बिना किसी अनुमति के 2 से 7 जून, 2023 तक और फिर 10 से 19 जून, 2023 तक रुका। संकाय सदस्यों ने इस बात पर आश्चर्य और चिंता व्यक्त की

कि तेली किस आसानी से परिसर में घूमता रहा। एक वरिष्ठ प्रोफेसर ने पूछा वह कहाँ रहता था? क्या उसे संवेदनशील लैब डेटा तक पहुँच मिली? उसका असली मकसद क्या था? मौजूदा सुरक्षा प्रोटोकॉल की प्रभावशीलता के बारे में कर्मचारियों के बीच बढ़ती चिंता को दर्शाता है। हालांकि अभी तक दुर्भावनापूर्ण इरादे का कोई सबूत सामने नहीं आया है, लेकिन उल्लंघन ने सुरक्षा उपायों की पूरे परिसर में समीक्षा शुरू कर दी है। पहुँच प्रतिबंधों को सुदृढ़ करने, अधिक कठोर आईडी जाँच लागू करने और सभी प्रवेश बिंदुओं पर निगरानी कड़ी करने के लिए चर्चा चल रही है। तेली वर्तमान में पुलिस हिरासत में है, और जाँच जारी है।

हम ईडी जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं: शिवकुमार



बेंगलूर/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि वह और उनके भाई प्रवर्तन निदेशालय की जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने अपने भाई और पूर्व सांसद डी.के. सुरेश के प्रवर्तन निदेशालय की जांच के लिए पेश होने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि

हमारा परिवार प्रवर्तन निदेशालय का सामना करने के लिए तैयार है। ईडी ने पहले मेरे खिलाफ मामला दर्ज किया था। हमारे बचाव में कोई नहीं आया। अदालत ने हमें सुरक्षा दी है। ईडी ने डी.के. सुरेश को पूछताछ के लिए बुलाया है, क्योंकि ऐश्वर्या गौड़ा धोखाधड़ी मामले में किसी ने बयान दिया है। कोई भी जनप्रतिनिधि आकर उनसे

मिल सकता है। इस मामले को बेवजह तूल दिया जा रहा है। डी.के. सुरेश ने कहा कि वह जांच के लिए हर जरूरी सहयोग देने के लिए तैयार हैं। विधायक बी.आर. पाटिल के आरोपों का जवाब मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और आवास मंत्री को देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे जो कहना है, कह दिया गया है। उन्होंने कहा कि विधायकों द्वारा उनकी जानकारी के बिना फंड लेने के बारे में अभी तक किसी ने उनसे शिकायत नहीं की है। इसलिए उन्होंने कहा कि विधायकों के आरोपों के बारे में उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है। डीके शिवकुमार ने केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी के इस बयान पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया कि वह मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे।

लोकायुक्त न्यायमूर्ति वीरप्पा ने भ्रष्ट अधिकारियों पर तकनीक आधारित कार्रवाई तेज की



फोनपे और पेटीएम जैसे ऐप के माध्यम से मोटी रिश्तते लेते हुए मिले हैं। छापे की आशंका के चलते कई अधिकारी कथित तौर पर

बेंगलूर/शुभ लाभ ब्यूरो।

तकनीक की मदद से भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित कर्नाटक के उपायुक्त न्यायमूर्ति वीरप्पा ने डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म के माध्यम से रिश्तते लेने वाले भ्रष्ट सरकारी अधिकारियों पर नजर रखने और उन्हें पकड़ने के लिए एक नई और अभिनव रणनीति शुरू की है।

विभिन्न जिलों में अपने औचक दौरे के दौरान न्यायमूर्ति वीरप्पा को कई अधिकारी गूगल पे,

नवविवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत

गोपालगंज (एजेंसियां)।

गोपालगंज जिले के मीरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़का मौजे गांव में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर मीरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया। मामले में पुलिस ने मृतका के पति सहित तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतका की पहचान मनीष सोनी की 22 वर्षीय पत्नी प्रीति कुमारी के रूप में की गई है। प्रीति की शादी इसी साल 23 अप्रैल को कुचायकोट थाना क्षेत्र के कुचायकोट गांव निवासी मनोज प्रसाद की एकलौती बेटी के रूप में, मीरगंज के बड़का मौजे गांव निवासी श्री भगवान सोनी के पुत्र मनीष सोनी के साथ धूमधाम से हुई थी। प्रीति के पिता मनोज प्रसाद ने आरोप लगाया कि शादी में तय सभी उपहार व नगद राशि देने के बावजूद ससुराल पक्ष द्वारा बुलेट बाइक और सोने की चेन की अतिरिक्त मांग की जा रही थी।

बाबा साहेब आंबेडकर के अपमान को लेकर भाजपा का धरना प्रदर्शन

लालू यादव से की गई माफी की मांग



सीवान (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आज सीवान शहर के गोपालगंज मोड़ स्थित आंबेडकर पार्क में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष राहुल तिवारी ने की, जबकि मंच संचालन भाजपा नेता अजय पासवान ने किया। धरना में भाजपा नेताओं ने राजद के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव द्वारा संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर को पैरों के पास रखकर फोटो खिंचवाने को लेकर तीखा विरोध दर्ज कराया।

भाजपा जिलाध्यक्ष राहुल तिवारी ने आरोप लगाया कि राजद कभी भी दलित हिंसा पार्टी नहीं रही है। उन्होंने कहा कि

जब-जब आरक्षण देने का मौका आया, लालू प्रसाद यादव ने अपने परिवार को लाभ पहुंचाया। उन्होंने पत्नी को आरक्षण के नाम पर मुख्यमंत्री, बेटे को उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री, और बेटी को सांसद बना दिया। अब बाबा साहेब के अपमान का पूरा देश जवाब मांगेगा।

भाजपा पूर्वी जिलाध्यक्ष रंजीत प्रसाद ने कहा कि बाबा साहेब का अपमान किसी एक जाति का नहीं, बल्कि पूरे देश का अपमान है।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने न सिर्फ अंग्रेजी हुकूमत से लड़ा, बल्कि समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ भी संघर्ष किया। करोड़ों युवा आज उनके विचारों से प्रेरणा लेते हैं। भाजपा के प्रदेश मंत्री नरेंद्र प्रसाद चौहान ने भी

राजद प्रमुख को दलित विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि लालू-राबड़ी के शासनकाल में दलितों पर अत्याचार आम बात थी। पूरे शासनकाल में बिहार अपराधियों की शरणस्थली बना रहा।

पूर्व जिला अध्यक्ष एवं सिवान सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष, पूर्व एमएलसी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि बिहार की जनता आने वाले विधानसभा चुनाव में बाबा साहेब के अपमान का जवाब वोट से देगी। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव को बाबा साहेब की तस्वीर का अपमान करने के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए और राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर किसी दलित को यह जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए।

उपभोक्ता फोरम ने बीमाकर्ता को ब्याज सहित 40,178 रुपये का भुगतान करने का दिया आदेश



पॉलिसी थी। 22 मई, 2024 को, उसे कम्प के बाएं हिस्से में सूजन होने के बाद उडुपी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि उपचार की लागत

अधिक थी, लेकिन कंपनी ने केवल 41,170 रुपये का भुगतान किया, और पहले से मौजूद बीमारी के आधार पर 30,178 रुपये देने से इनकार कर दिया -

अधिक थी, लेकिन कंपनी ने केवल 41,170 रुपये का भुगतान किया, और पहले से मौजूद बीमारी के आधार पर 30,178 रुपये देने से इनकार कर दिया -

लंबित राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, आयोग ने मानसिक पीड़ा और कानूनी खर्चों के लिए मुआवजे के रूप में 10,000 रुपये का आदेश दिया, और निर्देश दिया कि आदेश प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर पूरी राशि का भुगतान किया जाए। आयोग के अध्यक्ष सुनील तिमसासेखेड़ी और सदस्य सुजाता भी कोरह्ली ने फैसला सुनाया। अधिवक्ता विवेकानंद माव्या ने शिकायतकर्ता का प्रतिनिधित्व किया।